



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 अपराधियों के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति जारी रहेगी

6 नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

7 कमी मत कहे कि हमारे पास कम है : अंकिता लोखंडे

फास्ट टैक

दलाई लामा को धर्मशाला स्थित उनके आवास पर गैमी

पुरस्कार प्रदान किया गया

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)/भाषा।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को

बुधवार को यहां उनके आवास पर

सरोद यादक अमजद अली खान द्वारा

औपचारिक रूप से गैमी पुरस्कार प्रदान

किया गया। दलाई लामा, तेनजिन

ग्यात्सो ने अपने 'स्पोकन-वर्ड एल्बम'

'मेडिटेशनस: द रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज

होलिनेस द दलाई लामा' के लिए

सर्वश्रेष्ठ ऑडियो बुक, वाचन और

कथा-वाचन रिकॉर्डिंग की श्रेणी में

अपना पहला गैमी पुरस्कार जीता।

दलाई लामा (90) का यह एल्बम

उनके उपदेशों को प्रसिद्ध कलाकारों के

संगीत के साथ पिरोकर तैयार किया

गया है। यह दुनिया भर के लोगों तक

शांति और करुणा का संदेश पहुंचाता

है। इस एल्बम में दलाई लामा के शांति,

करुणा, जागरूकता और सार्वभौमिक

उत्तरदायित्व पर दिए गए उपदेश हैं।

भारत में नेपाल के 25 स्टार्टअप ले रहे हैं प्रशिक्षण

काठमांडू/भाषा। नेपाल के 25

स्टार्टअप भारत में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

दोनों देशों के बीच स्टार्टअप साझेदारी

कार्यक्रम के तहत भारत सरकार इसका

पूरा खर्च वहन कर रही है। अधिकारियों

ने यह जानकारी दी। भारत-नेपाल

स्टार्टअप पार्टनरशिप नेटवर्क

(आईएन-एन) कार्यक्रम के तहत

प्रशिक्षण का दूसरा चरण आईआईटी

मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज

फाउंडेशन (चेन्नई) में सोमवार को शुरू

हुआ। काठमांडू स्थित भारतीय

दूतावास ने सोशल मीडिया मंच पर यह

जानकारी देते हुए लिखा, भारत-नेपाल

स्टार्टअप पार्टनरशिप नेटवर्क

कार्यक्रम नेपाल के उभरते उद्यमियों को

भारतीय प्रौद्योगिकी एवं स्टार्टअप

परिवेश के साथ जोड़ता है।

नेपाल ने भारत की एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं किया है

: पूर्व प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पूर्व

प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने

बुधवार को संसद में प्रधानमंत्री बालेंद्र

शाह के बयान की कड़ी आलोचना की

और जोर देकर कहा कि नेपाल ने

भारतीय क्षेत्र का एक इंच भी

अतिक्रमण नहीं किया है। ओली यहां

अपने दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ

नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी)

की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के

उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। रविवार को

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणियों ने

नेपाल में उस वक्त विवाद खड़ा कर

दिया, जब उन्होंने कहा, "न केवल

भारत, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों

पर भारत के क्षेत्रों का अतिक्रमण किया

है।"

कर्नाटक के 25वें मुख्यमंत्री बने डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को राज्य के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। लोक भवन परिसर के ग्लास हाउस में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समर्थकों के नारों के बीच डीके शिवकुमार मंच पर पहुंचे और सबसे पहले अपने आध्यात्मिक गुरु माने जाने वाले श्री वीर गंगाधर स्वामीजी (अज्ञेया) के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने संविधान की प्रति हाथ में लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली तथा वीर गंगाधर अज्ञा का स्मरण किया। शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के साथ हुई। इसके बाद कर्नाटक राज्य पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया और राज्य गीत भी बजाया गया।



कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने समारोह में उपस्थित अतिथियों और गणमान्य लोगों का स्वागत किया। औपचारिक कार्यक्रम शुरू होने से पहले शिवकुमार ने निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह में कई प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेता मौजूद रहे। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तेलंगणा के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव केशी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने राज्यपाल थावरचंद्र गहलोत से शपथ ग्रहण समारोह शुरू करने की अनुमति मांगी।

विधानसभा की सीढ़ियों पर श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए मुख्यमंत्री

बेंगलूर। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार संभालने से पहले कर्नाटक विधानसभा की सीढ़ियों पर श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए। शपथ लेने के बाद, शिवकुमार ने श्रद्धापूर्वक झुककर सीढ़ियों को छुआ और बाद में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार भवन में प्रवेश करते हुए राष्ट्रीय नेताओं और कर्नाटक की प्रमुख हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिवकुमार ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक बसवन्ना और बेंगलूर के संस्थापक नाडप्रभु केम्पेगौडा की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित करने की घोषणा

बेंगलूर/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की, जिनमें छात्रों के लिए मुफ्त बस पास और निजी रोजगार एक्सचेंज की स्थापना शामिल है। पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद शिवकुमार ने पहले कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि गैर-लक्ष्मरी सरकारी बसों में सभी छात्रों को मुफ्त बस पास दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में युवाओं की भर्ती के लिए जल्द ही कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषित की जाएगी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि बेरोजगारी के मुद्दे को दूर करने के लिए निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित किया जाएगा, जहां लोग नौकरियों के लिए पंजीकरण करवा सकेंगे।

भारत और लाओ के बीच व्यापार में प्रगति की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच व्यापार एवं निवेश में प्रगति करने की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति भवन में लाओ पीडीआर के उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री थोंगसावन फोमविहाने के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच गहरे सम्बन्ध स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और लाओ पीडीआर के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, लेकिन व्यापार और निवेश दोनों क्षेत्रों में प्रगति करने की अब भी काफी गुंजाइश है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत सूचना और संचार



प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, औषधि, कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, नदीकरणगी उर्जा और बिजली जैसे क्षेत्रों में लाओ पीडीआर के साथ सहयोग का विस्तार करने में प्रसन्नता महसूस करेगा। उन्होंने कहा, "हम नवाचार और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में भी अपने अनुभव साझा करने के इच्छुक हैं।" थोंगसावन फोमविहाने की पहली भारत यात्रा पर उनका स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि

ईरान ने ड्रोन हमले के जरिये कुवैत के हवाई अड्डे को निशाना बनाया

दुबई/एपी। ईरान के ड्रोन हमले में भारी नुकसान पहुंचने और एक व्यक्ति की मौत के बाद कुवैत ने देश के मुख्य हवाई अड्डे को बुधवार को कुछ समय के लिए बंद कर दिया। यह ड्रोन हमला तब किया गया जब भंगलवार देर रात ईरान और अमेरिका ने एक-दूसरे पर मिसाइल हमले किये थे। ईरान की अर्थ-संरक्षक समारोह एजेंसियों ने दावा किया कि देश ने अमेरिका और इजराइल के साथ युद्धविराम की अवधि बढ़ाने के बारे में मध्यस्थों के साथ वार्ता बंद कर दी है। एक क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि ईरान चाहता था कि वार्ता फिर से शुरू करने से पहले लेबनान में हुए संघर्ष विराम को पूरी तरह लागू कराया जाये। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि बातचीत जारी है। वे वार्ता कई सप्ताह से खिंचती जा रही है और खाड़ी क्षेत्र में बार-बार होने वाले हमलों और लेबनान में इजराइल के बढ़ते युद्ध से इन प्रयासों पर और भी दबाव पड़ रहा है।

आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकार से वंचित रखना चाहते हैं भाजपा, आरएसएस : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं।



देने के बाद सभा को संबोधित किया और आदिवासियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। आदिवासी प्रकोष्ठ के प्रमुख विक्रान्त भूषिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को पारंपरिक आदिवासी टोपी भी भेंट की। गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट

किया, "आदिवासी भारत के पहले मालिक हैं। जिनमें भारत की ऐतिहासिक चेतना और ज्ञान समाया हुआ है, यही सच्चाई है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की आदिवासी विरोधी मानसिकता आपको 'जनवासी' का नाम देकर आपके जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहती है। गांधी ने कहा, "कांग्रेस पार्टी और मैं आपके अधिकारों का सम्मान करते हैं तथा उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाऊंगा, हर लड़ाई लड़ने को तैयार हूँ।"

'भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियों ने मजबूती दिखाई है, जिसे औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र की वृद्धि, व्यापक मांग और बेहतर होते कॉन्फिडेंस प्रदर्शन से बल मिला है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' (एसआईपीए) में सोमवार को दिए भाषण में डिप्टी गवर्नर ने यह भी कहा कि मुद्रास्फीति आरबीआई के संतोषजनक दायरे में है और बाहरी चुनौतियां प्रबंधन योग्य



बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, "हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब वैश्विक नीतिगत चर्चा भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम मेधा (एआई), प्रौद्योगिकी बदलाव और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन जैसे बड़े विषयों से भरी हुई है।" उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में बैंकिंग प्रणाली की मजबूती अपेक्षाकृत शांत विषय लग सकती है, लेकिन इसकी अनुपस्थिति में इसका महत्व तुरंत समझ आता है। उन्होंने कहा कि कमजोर बैंकिंग प्रणाली वित्तीय झटकों को कंपनियों,

परिवारों, सार्वजनिक वित्त और समग्र अर्थव्यवस्था तक तेजी से पहुंचा सकती है। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि आज भारत मजबूत वृद्ध आर्थिक आधार पर खड़ा है। उन्होंने कहा, "भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अस्थिर जिस परिस्थितियों के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने मजबूती दिखाई है, जिसे औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की मजबूती, व्यापक मांग और कॉन्फिडेंस प्रदर्शन में सुधार से समर्थन मिला है।" भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 'रेजिलिएंस बाय डिजाइन: लेसन फ्रॉम इंडियाज बैंकिंग सेक्टर' विषय पर दिए गए उनके इस भाषण को बुधवार को अपनी वेबसाइट पर डाला है।

दिल्ली के होटल में लगी आग

विदेशी नागरिकों समेत 21 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके की एक तंग गली में स्थित एक होटल में बुधवार को भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिनके बीमार रिश्तेदारों का पास के अस्पतालों में इलाज चल रहा था। मालवीय नगर के हौज रानी स्थित 'फ्लोरिडा स्टे बी एंड बी' में सुबह करीब 8:30 बजे आग लगी और देखते ही देखते फैल गई, जिससे लोग स्तब्ध रह गए। कई स्थानीय लोगों सहित बचावकर्मी पांच मंजिला संकरी इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 40 लोगों को इमारत से निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां 21 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। कई



घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' नीति के तहत होटल को केवल छह कमरों की अनुमति थी, लेकिन यह 25 कमरे का उपयोग कर रहा था। तहखाने में भी कमरे बनाए गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि होटल में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही द्वार था। अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की जांच चल रही है। आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। मृतकों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें से कई मध्य एशियाई और अफ्रीकी देशों के हैं। उनके परिवारों का इलाज कुछ ही मिनटों की दूरी पर स्थित मैक्स अस्पताल में चल रहा था, जिस वजह से वे होटल में ठहरे हुए थे।

प्रधानमंत्री ने जनहानि पर दुख जताया, अनुग्रह राशि की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के मालवीय नगर में हुई आग की घटना में लोगों की मौत पर बुधवार को शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दिल्ली के मालवीय नगर में आग की घटना में जनहानि अत्यंत दुःख है। अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

ई85 ईंधन के किफायती, व्यापक उपयोग के लिए नीति पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि सरकार ई85 ईंधन (85 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) को तेजी से और किफायती रूप से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एक नीति पर विचार कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि कंपनी द्वारा ई20 (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) से लेकर ई85 (85 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) तक के ईंधन पर पूरी तरह से अनुकूल एथनॉल मिश्रित ईंधन से चलने वाली (फ्लेक्स-फ्यूल) मोटरसाइकिलों



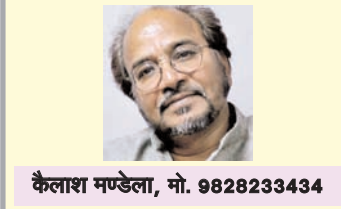
का अनावरण भारत के ऊर्जा इतिहास में एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि ई85 ईंधन सामान्य पेट्रोल की तुलना में काफी सस्ता होगा। पुरी ने कहा, हम ई85 ईंधन के तेजी से और किफायती अपनाने के लिए एक सहायक नीति पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में दोषिद्धा वाहनों का सबसे बड़ा विनिर्माता है।

04-06-2026 05-06-2026
सूर्योदय 6:32 बजे सूर्यास्त 5:41 बजे

BSE 74,346.17 NSE 23,405.60
(-303.67) (-77.95)

सोना 16,085 रु. चांदी 273,000 रु.
(24 रुके) प्रति ग्राम प्रति किलो

निशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मौकापरस्त राजनीति
कब किसका कैसे लगे दौंव, इस तिकड़म में शामिल समस्त। ना चायों का कोई मतलब, लालच में सारे किले ध्वस्त। जय लोकतंत्र की बलिहारी, जिसमें नेतागण सदा मरत। सत्तागामी हैं राजनीति, जिसमें सारे मौकापरस्त।





देश में नियुक्ति गतिविधियों में मई में चार प्रतिशत की गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा देश में दफ्तर में बैठकर काम करने से जुड़े पदों के लिए नियुक्ति गतिविधियों में मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, विविधता आधारित यानी विभिन्न वर्गों के आधार पर नियुक्ति में वृद्धि हुई है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

फाउंडेट इन्साइड्स ट्रैकर (एफआईटी) की रिपोर्ट के अनुसार, कुल 'व्हाइट-कॉलर' यानी कार्यालयों में बैठकर काम करने से जुड़े पदों के लिए नियुक्ति गतिविधियों में मासिक आधार पर छह प्रतिशत की गिरावट आई। यह बाजार की बदलती परिस्थितियों के बीच नियोजकों की निरंतर सतर्कता को दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में विविधतापूर्ण नियुक्ति गतिविधियों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है

कि आयात और निर्यात, लॉजिस्टिक और परिवहन, खुदरा और बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा) जैसे कई क्षेत्रों में नियुक्ति की धीमी गति ने वार्षिक भर्ती रुख को प्रभावित किया। आयात और निर्यात क्षेत्र में 23 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं लॉजिस्टिक और परिवहन क्षेत्र में 18 प्रतिशत, खुदरा क्षेत्र में आठ प्रतिशत और बीएफएसआई में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी तरफ, यात्रा और पर्यटन (26 प्रतिशत), वाहन (12 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा और औषधि (11 प्रतिशत) और रियल एस्टेट (11 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में मई में सालाना आधार पर नियुक्ति में मजबूत वृद्धि देखी गई।

फाउंडेट इन्साइड्स ट्रैकर रिपोर्ट रोजगार की जानकारी देने वाले मंच फाउंडेट.इन के 7,39,188 ऑनलाइन डाली गयी नौकरियों को लेकर गतिविधियों का एक व्यापक मासिक विश्लेषण है।

दिल्ली होटल अग्निकांड : गोद में बच्चा लिये महिला समेत कई लोगों ने इमारत से लगाई छलांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल की पांच मंजिला इमारत में लगी भीषण आग से जान बचाने के लिए अलग-अलग मंजिल से कई लोगों ने सड़क पर स्थानीय लोगों द्वारा बिछाये गये गद्दे पर छलांग लगा दी, जिनमें वह महिला भी शामिल थी, जिसकी गोद में एक बच्चा था।

मालवीय नगर के भीड़भाड़ वाले हॉज रानी इलाके में स्थित होटल 'फ्लोरिश स्टे बी एंड बी' में बुधवार सुबह आग लग गई, जिसमें कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

दिल्ली अग्निशमन सेवा, पुलिस और आपदा राहत इकाइयों की टीमों बचाव अभियान में लगी हुई थीं। इस दौरान कम से कम 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए दिल्ली के एम्स अस्पताल ले जाया गया।

घना काला धुआं निकलने और आग के तेजी से इमारत में फैलने के बीच घबराए हुए लोग खिड़कियों के शीशे तोड़ने, खुले स्थानों से बाहर झांके और मदद के लिए गूहारा लगाते नजर आए। सीढियां और आंतरिक गलियारों धुंसे भर जाने के कारण, कई मेहमानों के पास

इमारत से नीचे कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग से बचने के प्रयास में कम से कम छह लोगों ने इमारत की विभिन्न मंजिलों से छलांग लगा दी। इनमें एक महिला भी शामिल थी, जिसने अपनी गोद में एक छोटे बच्चे को ले रखा था।

उनके मुताबिक, चौथी मंजिल पर फंसे एक विदेशी दंपति ने खिड़की का शीशा और एल्युमिनियम की ग्रिल तोड़ दी तथा पाइप के सहारे नीचे उतरने की

कोशिश की, लेकिन दोनों गिर गए। उपर से गुजर रहे तारों में फंसे हुए महिला सिर के बल जमीन पर गिरी। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वे बच पाए या नहीं।

बचाव कार्य में शामिल एक स्थानीय निवासी ने बताया, हर तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी। लोग खिड़कियों में फंसे हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। कुछ लोगों ने शीशे तोड़कर बाहर

निकलने की कोशिश की। हमने कई लोगों को अलग-अलग मंजिलों से कूदते देखा।" भयावह दृश्य देखकर इलाके के निवासियों और दुकानदारों ने आपतकालीन सेवाओं के मोर्चे पर पहुंचने से पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी। गद्दे की दुकानों के मालिकों और अन्य स्थानीय लोगों ने तुरंत गद्दे और कंबल इमारत के नीचे संकरी सड़क पर लाकर बिछा दिए, ताकि बचने की कोशिश कर रहे लोगों को नीचे गिरने

पर कोई चोट न आए।

एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, "जिस वक्त महिला ने छलांग लगाई, उस वक्त उसने बच्चे को कसकर पकड़ रखा था। उससे कुछ देर पहले और बाद में भी कुछ लोग कूदे। जब भी कोई नीचे कूदने की कोशिश करता दिखता तो लोग गद्दों को इधर-उधर कर देते, ताकि उसे चोट न आए।

कई स्थानीय निवासियों ने मानव शृंखला बनाई, अंदर फंसे लोगों को उन्हें खिड़कियों की ओर जाने को कहा, जहां से उन्हें बचाया जा सके या वे सुरक्षित रूप से बाहर कूद सकें। कई लोग वीडियो बना रहे लोगों से रिकॉर्डिंग नहीं करने और बचाव कार्य में मदद करने के लिए कहते हुए भी चुने गए।

स्थानीय लोग पीड़ितों को उठाकर पास के अस्पतालों में ले जाते देखे गये। आग से बचने के लिए इमारत से छलांग लगाने वालों में मोहम्मद साहिदुल इस्लाम, आरमिन जमन और रियाना शामिल थे।

अधिकारियों ने बताया कि इमारत से 40 से अधिक लोगों को निकाला गया। मृतकों में कई विदेशी नागरिक शामिल हैं, और अधिकारियों को आशंका है कि घायल लोगों की हालत गंभीर होने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

मालवीय नगर अग्निकांड : आप और कांग्रेस ने दमकल विभाग की कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने मालवीय नगर के एक होटल में बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे लगी भीषण आग की घटना में दमकल विभाग की कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया है। इस हादसे में विदेशी नागरिकों सहित कम से कम 21

लोगों की मौत हो गई है।

मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सोमनाथ भारती ने दावा किया कि दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर करीब एक घंटा देरी से पहुंचीं। यह आग दक्षिण दिल्ली के भीड़भाड़ वाले हॉज रानी इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में स्थित 'फ्लोरिश स्टे' बेड-एंड-ब्रेकफास्ट होटल में लगी थी।

भारती ने कहा, बचाव दलों को

रवाना किया गया था, लेकिन दमकल विभाग को घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर पहुंचना चाहिए था, जबकि दमकल केंद्र घटनास्थल से महज तीन मिनट की दूरी पर है, फिर भी गाड़ियां लगभग एक घंटे बाद पहुंचीं।" उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासी सक्रिय थे और उनके प्रयासों के कारण कई जानें बचाई जा सकीं। "अगर दमकल की गाड़ियां समय पर आ जातीं, तो हम कई और जिवंदगियां बचा सकते थे।

सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के प्रवर्तक-सीईओ पर कंपनी के शेयरों में लेन-देन की रोक लगाई

बेंगलूर/नई दिल्ली भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रवर्तक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश मेहता पर कंपनी की प्रतिभूतियों में लेन-देन करने की रोक लगा दी। उन पर वित्तीय विवरण में बड़े पैमाने पर भ्रामक जानकारी देने और धन के गबन का आरोप लगाया गया है। सेबी ने कंपनी को सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा प्रावधान (एलओडीआर) विनियमों के तहत अपने वित्तीय विवरणों, संबंधित पक्ष लेनदेन आदि का सही एवं निष्पक्ष खुलासा करने का भी निर्देश दिया। सेबी ने 109 पृष्ठ के अंतिम आदेश में कहा कि उसकी जांच में वित्तीय विवरणों में गलत या भ्रामक जानकारी पेश करने के साथ-साथ व्यक्तिगत खातों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से धन के इधर-उधर करने के मामले पर प्रमाण आया है। धन को इधर-उधर करने के संबंध में कोई पर्याप्त खुलासा या दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

बंधुआ मजदूरी के मुद्दे पर अमेरिका का भारत समेत 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव

वॉशिंगटन/नई दिल्ली/भाषा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूसटीआर) ने बंधुआ मजदूरी से निर्मित वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लागू करने के आरोप में भारत सहित 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव उन जांच के बाद सामने आया है, जो अमेरिका ने 60 देशों के खिलाफ इस आधार पर शुरू की थी कि वे बंधुआ मजदूरी से बनी वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के अतिरिक्त द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली में तीन दिन की वार्ता कर रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूसटीआर) ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत मार्च में शुरू की गई जांच के बाद यह प्रस्ताव रखा है।

बीएस-4 से बीएस-6: दिल्ली-एनसीआर में स्वच्छ परिवहन के लिए कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पुराने ट्रक और बस को बदलने की एक योजना को बुधवार को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करना और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना है। इस योजना का उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत उन ट्रक और बस के मालिकों को प्रोत्साहन देना है, जो बीएस-4 या उससे पहले के उत्सर्जन मानकों का अनुपालन करते हैं, ताकि वे अपने वाहनों को बीएस-6 या उससे अधिक कड़े उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों अथवा ईवी से बदल सकें। बयान के अनुसार, केंद्र सरकार 5 साल के लिए ऋण पर 5% व्याज सस्किडी, वाहन श्रेणी के आधार पर 4,800 रूप्य तक के मासिक ईंधन वाउचर और इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने या जमा प्रमाणपत्र के व्यापार के लिए एकमुश्त लाभ प्रदान करेगी। इस योजना से दिल्ली व एनसीआर राज्यों-हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश-में लगभग 2.07 लाख वाहन मालिकों (1.91 लाख ट्रक और 16,329 बस) को लाभ होगा।

उत्तराखंड : सूझबूझ से 34 यात्रियों की जान बचाने वाले बस चालक की पहिले से कुचलकर मौत

चंपावत/भाषा उत्तराखंड के चंपावत जिले में बुधवार को एक चालक ने अपनी सूझबूझ से 34 यात्रियों की जान बचा ली, लेकिन वह खुद वाहन के अगले पहिले के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तराखंड परिवहन निगम के क्षेत्रीय मंडल टनकपुर के सहायक मंडलीय प्रबंधक सुरेश पांडे ने बताया कि घटना सुबह 10 बजे बारहमासी सड़क पर हुई, जब धारचूला से टनकपुर जा रही बस के ब्रेक चंपावत से 18 किलोमीटर पहले मरोड़ाखान के पास ढलान पर अचानक खराब हो गए। पांडे के मुताबिक, बस में सवार 34 यात्रियों की जान बचाने के मकसद से चालक ने वाहन को रोकने के लिए उसे दाहिनी ओर पहाड़ी से टकरा दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि इस दौरान चालक खुद छिटककर बस के अगले पहिले के नीचे आ गया, जिससे कुचलकर उसकी मौत हो गई।



जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने लगे, तो नागरिक संदेह की नजर से देखने लगते हैं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

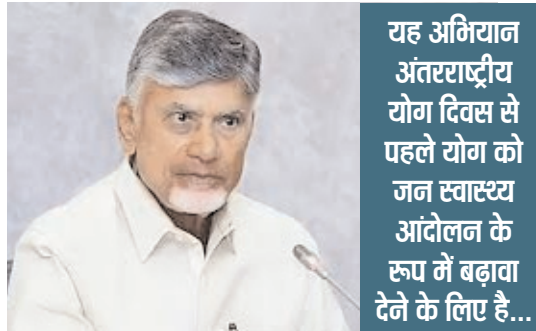
नई दिल्ली/भाषा उच्चतम न्यायालय ने जबरन वसूली के आरोपी तीन पुलिस अधिकारियों को दी गई अग्रिम जमानत रद्द करते हुए कहा है कि जब कानून लागू करने वाले अधिकारी ही जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखते हैं और दुविधा में पड़ जाते हैं। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्र की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश को "अस्पष्ट" बताते हुए रद्द कर दिया। पीठ ने कहा, "जब कानून लागू

करने वाले अधिकारी जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक संदेह की नजर से देखने लगते हैं। विरोध करना तत्काल प्रतिशोध को न्योता देना है और एकमात्र विकल्प वर्दीधारी अधिकारियों के सामने चुपचाप आत्मसमर्पण करना है, भले ही स्पष्ट रूप से दुर्व्यवहार हो रहा हो।" इस मामले में, शिक्षाव्यवस्था अर्थात् बेटी के साथ मुंबई से हाफा दुर्गो एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले थे। शिक्षाव्यवस्था, उनकी बेटी और उन्हें छोड़ने आए एक करीबी रिश्तेदार को रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मियों ने हिरासत में ले लिया। यात्री के सामान की तलाशी के दौरान 14 ग्राम की सोने की छड़ और 31,900 रूप्य नकद बरामद हुए।

योगांध अभियान में एक करोड़ लोगों को शामिल किया जाएगा : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य का लक्ष्य योगांध-2026 अभियान में एक करोड़ लोगों को शामिल करना है। यह अभियान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग को जन स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में बढ़ावा देने के लिए है। नायडू ने संवादाता सम्मेलन में कहा कि योग वाहन द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल जीवन-मार्ग है और तनाव, थिंता एवं जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारगर उपाय है। नायडू ने कहा,



यह अभियान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग को जन स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में बढ़ावा देने के लिए है...

"हमारा लक्ष्य योगांध-2026 में एक करोड़ लोगों को शामिल करना है। योग हर घर में दैनिक अभ्यास बनना चाहिए और एक स्वस्थ आंध्र प्रदेश के निर्माण के लिए शक्तिशाली आंदोलन के रूप में उभरना चाहिए।" उन्होंने कहा कि योगांध-2026 का आयोजन

राज्य भर में सात से 20 जून तक किया जाएगा, जिसमें जिलास्तरीय कार्यक्रम और अमरावती में एक बड़ा कार्यक्रम शामिल है। अमरावती के कार्यक्रम में 25,000 प्रतिभागियों द्वारा योगाभ्यास किया जाएगा।

अदालत ने धनशोधन मामले में जैकलीन, सुकेश के खिलाफ आरोप तय किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा दिल्ली की एक अदालत ने 200 करोड़ रूप्य के धनशोधन मामले में बुधवार को अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस, कथित तग सुकेश चंद्रशेखर और 15 अन्य के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज एक अलग मामले में अदालत ने चंद्रशेखर और 20 अन्य के खिलाफ भी विभिन्न अपराधों के तहत आरोप तय किए, जिनमें कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आने वाले अपराध भी शामिल हैं। चंद्रशेखर, जैकलीन और कई अन्य आरोपी बुधवार दोपहर अदालत में पेश हुए। आरोपियों ने आदिप खातिज करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एसएजी) प्रशांत शर्मा के समक्ष मुकदमे का सामना करने की बात कही। अदालत ने 30 मई को दो अलग-अलग आदेशों के जरिये दोनों मामलों में आरोप तय



करने का निर्देश दिया था और कहा था कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज और बाद में आर्थिक अपराध शाखा द्वारा जांच किए गए मामले में, न्यायाधीश ने चंद्रशेखर के खिलाफ सुदू को लोकसेवक के रूप में पेश करने, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी, आपराधिक साजिश समेत विभिन्न आरोप तय करने का आदेश दिया। इसके अलावा, अदालत ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम तथा मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून) की

कानून के तहत अधिकारियों के पास गिराव से संबंधित उन आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने, उन्हें रोकने और दंडित करने के लिए विशेष शक्तियां होती हैं, जिन्हें सामान्य दंड संहिताओं के जरिये नहीं रोका जा सकता। ईडी का आरोप है कि चंद्रशेखर ने जबरन उगाही, धोखाधड़ी, पहचान बदल कर उगी व आपराधिक धमकी के माध्यम से 200 करोड़ रु. से अधिक की आय अर्जित की। दिल्ली पुलिस का मामला आदिति सिंह नामक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसमें कहा था कि 15 जून 2020 को उसके मोबाइल पर एक लेंडलाइन नंबर से कॉल आया और फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को केंद्रीय कानून मंत्रालय का एक वरिष्ठ अधिकारी बताकर उनके पति तथा कंपनियों से जुड़े कानूनी मामलों को सुलझाने में मदद की पेशकश की। पुलिस ने आरोप लगाया कि इसके बाद फोन करने वाले व्यक्ति ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची और लगभग 217 करोड़ रूप्य की जबरन वसूली की।

विवाहित युवतियों की अप्राकृतिक मौत की त्वरित पुलिस जांच जरूरी है : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित वहेज हत्या के एक मामले में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किये जाने में आठ माह की देरी पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विवाहित युवतियों की अप्राकृतिक मौत के मामलों में त्वरित और गहन पुलिस जांच की आवश्यकता होती है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ब्याह के महज छह माह के अंदर 25-वर्षीय एक युवती की वहेज मौत के एक मामले में उसके पति और ससुराल वालों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने में 'युवती की शादी की पूरी अवधि से भी अधिक समय लगा' और यह एक 'दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत' है कि मृत महिला के पिता को न्यायिक आदेश के तहत प्राथमिकी दर्ज होने से पहले 'दर-दर भटकना' पड़ा। उच्च न्यायालय ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज किये जाने में देरी के परिणामों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उसने उम्मीद जताई कि भविष्य में, शादी के तुरंत बाद युवतियों की अप्राकृतिक मौत के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश के अनुरोध वाले आवेदनों पर मजिस्ट्रेट अदालतों द्वारा 'अधिक तत्परता' से विचार किया जाएगा, विशेषकर जब वहेज से संबंधित उत्पीड़न के आरोप हों। वर्तमान मामले में, मृत महिला के पिता ने दो जुलाई, 2025 को उसके पिता को सूचित किया कि सीडियां से गिरने के बाद उनकी बेटी अस्पताल में भर्ती है। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर पिता को गड़बड़ी का संदेह हुआ। बाद में पता चला कि महिला ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने तीन जुलाई, 2025 को दम तोड़ दिया, जबकि मजिस्ट्रेट न्यायालय के निर्देशों के अनुसार इस वर्ष 13 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई। पति और ससुराल वालों ने प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी एवं मृत महिला के पिता द्वारा कार्यकारी मजिस्ट्रेट को दिए गए अपने पहले बयान में किसी भी तरह के 'स्पष्ट एवं विस्तृत आरोप' न लगाने के आधार पर अग्रिम जमानत मांगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



मंत्री और नेताओं ने करुणानिधि को उनकी 103वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार की ओर से मंत्री राजमोहन ने बुधवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की 103वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और द्रविड़ मुनेत्र कवम (द्रमुक) की युवा शाखा के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने अपने दादा एवं दिवंगत द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि को श्रद्धांजलि दी।

द्रमुक नेता ने यहां पार्टी मुख्यालय 'अनबागम' पहुंचकर द्रविड़ नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस बीच, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने मरीना बीच के पास दिवंगत नेता के स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह का नेतृत्व किया, जहां उदयनिधि स्टालिन, राज्य के मंत्रियों और द्रमुक के अन्य शीर्ष नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि समारोह के बाद, स्टालिन ने एक बयान जारी कर करुणानिधि की विरासत पर प्रकाश डाला। स्टालिन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "यह (करुणानिधि) ऐसे नेता थे जिन्होंने

वृद्धावस्था और वहीलचेयर तक सीमित होने के बावजूद अपनी अंतिम सांस तक तमिलों और तमिलनाडु के लोगों के उत्थान के लिए बिना आराम किए काम किया।" हालिया चुनावी नतीजे को स्वीकार करते हुए द्रमुक प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से स्थिति से उबरने का आह्वान किया। उन्होंने करुणानिधि का जिक्र करते हुए कहा, "जीत का घमंड किए बिना और हार को दिल पर लिए बिना जिस उजरा के साथ आपने अथक परिश्रम से तमाम मुश्किलों का सामना किया, यह उजरा मुझमें भी व्याप्त है। आपकी

ऊर्जा केवल मुझमें ही नहीं, बल्कि उन सभी साथियों में है जिन्हें आपने स्नेहपूर्वक तराशा।" स्टालिन ने कहा, "हम दृढ़ विश्वास के साथ कहते हैं... हम एक बार फिर विजय का इतिहास लिखेंगे। हम उगते सूरज के प्रकाश से तमिलनाडु पर छाए अंधकार को दूर कर देंगे।" उदयनिधि ने 'एक्स' पर लिखा, "आज मुथयिज अरिगनार कलैंगनार की 103वीं जयंती है, जिन्होंने मेरे प्रिय भाई-बहन, जो मुझे मेरी जान से भी ज्यादा प्यारे हैं" (दिवंगत नेता का कार्यकर्ताओं को संबोधित करने का सामान्य

तरीका) के एक ही आह्वान से करोड़ों कार्यकर्ताओं को एकजुट किया।" इस बीच, कांग्रेस ने भी दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें दूरदर्शी नेता एवं सामाजिक न्याय का 'पैरोकार' बताया। कांग्रेस ने 'एक्स' पर लिखा कि समानता, शिक्षा और जनकल्याण के प्रति करुणानिधि की प्रतिबद्धता भारत भर में पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जयंती समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में द्रमुक कार्यकर्ता और गठबंधन सहयोगी अनबागम तथा शहर भर के विभिन्न निर्धारित स्थानों पर एकत्र हुए।

राहुल ने द्रमुक नेता करुणानिधि की जयंती पर उन्हें याद किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने अपना जीवन तमिल लोगों की गरिमा, सामाजिक न्याय और वंचितों के अधिकारों के लिए लड़ाई को समर्पित कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्रमुक के प्रमुख रहे करुणानिधि सिर्फ एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि एक लेखक, कवि, विचारक भी थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "कलैंगनार एम. करुणानिधि ने अपना जीवन तमिल लोगों की गरिमा, सामाजिक न्याय और हाशिये



पर पड़े लोगों के अधिकारों के लिए लड़ते हुए बितया।" गांधी ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, "सिर्फ एक मुख्यमंत्री नहीं, वह एक लेखक, कवि, विचारक भी थे। वह संविधान में विकास करते थे क्योंकि यह हर भारतीय को समान मानता है।" कांग्रेस ने हाल ही में द्रमुक के साथ अपने वर्षों पुराने गठबंधन को खत्म कर दिया और के. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके से हाथ मिला लिया। फिलहाल वह तमिलनाडु में विजय की अगुवाई वाली सरकार का हिस्सा है।



महेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस महानिदेशक का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल ने बुधवार को यहां अपने कार्यालय में तमिलनाडु के नये पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाला। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने एक जून को गृह मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी, जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में विशेष महानिदेशक के पद पर कार्यरत अग्रवाल की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें मूल सेवा में वापस भेजने की बात कही गई थी। अग्रवाल ने डीजीपी संदीप राय राठौड़ का स्थान लिया है और वह दो वर्षों तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे। अग्रवाल चेन्नई के पुलिस आयुक्त सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। अग्रस्त

2025 में डीजीपी शंकर जीवाल की सेवानिवृत्ति के बाद से तमिलनाडु में पिछले नौ माह से पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक नहीं है। डीजीपी के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का आभार व्यक्त करते हुए अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा कि मादक पदार्थों के खतरे पर अंकुश लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों के साथ-साथ महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नये डीजीपी ने जनता से शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग करने का भी अनुरोध किया। इस बीच, संदीप राय राठौड़ का तबादला कर उन्हें महानिदेशक, जेल एवं सुधारालय सेवाएं बनाया गया है।

तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक राठौड़ का तबादला

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संदीप राय राठौड़ का तबादला कर उन्हें महानिदेशक, जेल एवं सुधार सेवाएं के पद पर नियुक्त किया है। इस संबंध में बुधवार को जारी एक सरकारी विज्ञापन के अनुसार, ए. शंकर अतिरिक्त महानिदेशक (जेल एवं सुधार सेवाएं) के पद पर कार्यरत थे और अब उन्हें मौजूदा रिक्ति के तहत महानिदेशक, प्रवर्तन ब्यूरो-अपराध जांच विभाग (सीआईडी), चेन्नई के पद पर तैनात किया गया है। गृह विभाग के सूत्रों ने बताया कि महेश कुमार अग्रवाल बुधवार को डीजीपी का पदभार संभाल सकते हैं। अग्रवाल वर्तमान में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में विशेष महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। सूत्रों के अनुसार, अगस्त 2025 में तत्कालीन डीजीपी शंकर जीवाल के सेवानिवृत्त होने के बाद से तमिलनाडु पिछले नौ महीनों से पूर्णकालिक डीजीपी के बिना है।

अन्नामलाई के इस्तीफे की अटकलों के बीच, भाजपा कार्यकर्ताओं की स्पष्टीकरण की मांग, पोस्टर लगाये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच पार्टी कार्यकर्ताओं, विशेषकर युवा मोर्चा के सदस्यों ने बुधवार को पार्टी नेतृत्व से स्थिति पर आधिकारिक स्पष्टीकरण देने का अनुरोध किया। अन्नामलाई के भाजपा से बाहर अपना राजनीतिक रास्ता चुनने के रुख का समर्थन करते हुए उनके समर्थकों ने मद्रुरै में पोस्टर लगाए, जिनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को अभिनेता रजनीकांत और अजित के साथ हाथ मिलाते हुए दिखाया गया है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव आर. योगेश ने कहा, अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने की अफवाहों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच भ्रम की स्थिति है। कई लोग धिंतित हैं और कुछ पार्टी से दूरी बनाने पर भी



विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण समय में कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए त्वरित कदम उठाने चाहिए। योगेश ने 'एक्स' पर कहा कि प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन को वीडियो संदेश या आधिकारिक पत्र जारी करके स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेतृत्व की स्पष्टता से गलत

सूचनाओं को रोका जा सकता है, विश्वास बहाल किया जा सकता है और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखा जा सकता है। इसी बीच, अन्नामलाई के इस्तीफे की अटकलों के बीच भाजपा की मधुआरा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष एम. सी. मुनुसामी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले अन्नामलाई ने दो जून को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नयी दिल्ली में मुलाकात की थी। हालांकि आधे घंटे की बैठक में क्या चर्चा हुई, यह आधिकारिक तौर पर नहीं बताया गया, लेकिन पार्टी सूत्रों के अनुसार अन्नामलाई से इस्तीफे की अपनी योजना पर आगे नहीं बढ़ने के लिए कहा गया है। तमिलनाडु में हुये विधानसभा चुनाव के लिए अन्नामलाई के साथ भाजपा का गठबंधन बहाल होने और नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से अन्नामलाई अस्तित्व बर्ताए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन जीत नहीं पाये थे, जबकि हाल ही में हुए चुनाव में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा और पार्टी के प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया। नई पार्टी बनाने की अटकलों पर अन्नामलाई ने दिल्ली रवाना होने से पहले कहा कि वह दो दिन में अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। उन्होंने कहा था, कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे।

तमिलनाडु में 17 जुलाई से स्व-गणना अभ्यास के साथ शुरू होगी जनगणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में स्व-गणना अभ्यास के साथ जनगणना शुरू होने जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्य के लोक विभाग के सूत्रों ने बताया कि 17 जुलाई से 15 दिन का स्व-गणना अभ्यास शुरू होगा, जिसके जरिए नागरिक डिजिटल माध्यम से जनगणना प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य में मकान की सूची तैयार करने और आवास गणना का काम इस साल एक से 30 अगस्त के बीच होगा। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और अगला दशकीय सर्वेक्षण 2021 में

होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। तमिलनाडु जनगणना संचालन निदेशालय के सूत्रों ने बताया कि तैयारी के तहत पूरे तमिलनाडु में प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो आगे स्थानीय अधिकारियों को प्रशिक्षित करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह कार्यक्रम जनगणना के पहले चरण के सफल और सुचारु क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान सटीकता, बेहतर समन्वय और कुशल डेटा संग्रह को बेहतर बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनगणना दो चरणों में पूरी की जाएगी।

तमिलनाडु में खनन स्थलों की निगरानी के लिए ड्रोन का होगा इस्तेमाल

चेन्नई। तमिलनाडु के भूविज्ञान एवं खनन विभाग ने राज्य में खनन स्थलों के निरीक्षण के लिए उन्नत तकनीक से लैस ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पिछले सप्ताह अधिकारियों द्वारा किए गए भौतिक निरीक्षण के बाद लिया गया, जिसमें 155 खदानों में नियमों के उल्लंघन का पता चला था। विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञापन के अनुसार, प्राकृतिक संसाधन मंत्री टी. के. प्रभु ने पिछले सप्ताह तैनात, कन्याकुमारी, विरुधुनगर और मद्रुरै जिलों की खदानों का औचक निरीक्षण किया था। इसके अनुसार निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए संश्लिष्ट पाई गई खदानों को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए गए। विज्ञापन के अनुसार, कुल 431 खदानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 155 में नियमों का उल्लंघन पाया गया। विभाग ने अवैध खनन और खनिजों को वाहनों के जरिए अनधिकृत रूप से निकालने पर रोक लगाने के लिए अस्थायी रूप से निलंबित खदानों के खिलाफ अनुवर्ती कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। खनन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पट्टे पर दिए गए सभी क्षेत्रों का भविष्य में निरीक्षण उन्नत तकनीक से लैस ड्रोन के जरिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पट्टाधारकों को अग्रिम नोटिस दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय के निजी अंगरक्षक पर अन्नाद्रमुक नेता ने उठाया सवाल, सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्ना द्रमुक नेता आई. एस. इनबादुरई ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं और सवाल उठाया कि व्यापक बहुस्तरीय सरकारी सुरक्षा मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री निजी अंगरक्षक पर क्यों निर्भर हैं। पूर्व विधायक इनबादुरई ने सोशल मीडिया में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए "एक विशेष कोर सेल" सहित एक अत्यंत सख्त आधिकारिक सुरक्षा घेरा पहले ही स्थापित कर लिया है। इनबादुरई ने अपनी पोस्ट में पूछा, "जब सरकार द्वारा कोर सेल सहित आधिकारिक सुरक्षा के कई स्तर उपलब्ध कराए गए हैं, तो मुख्यमंत्री एक निजी अंगरक्षक के साथ क्यों घूम रहे हैं?" अन्ना द्रमुक नेता ने यह भी सवाल उठाया कि क्या निजी अंगरक्षक पर यह निर्भरता इस बात का संकेत है कि मुख्यमंत्री को राज्य पुलिस विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सुरक्षा व्यवस्था पर पूर्ण विश्वास नहीं है। संस्थागत सुरक्षा प्रोटोकॉल



को लेकर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए इनबादुरई ने पूछा कि क्या किसी ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री के साथ हर समय "बॉडीगार्ड" के रूप में रहने की अनुमति देना स्थापित दिशा निर्देशों के अनुरूप है, जो सरकार की आधिकारिक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर किस कानूनी और प्रक्रियागत आधार पर एक निजी व्यक्ति को आधिकारिक सुरक्षा व्यवस्था के अत्यंत संवेदनशील 'एक्ससेस कंट्रोल जोन' में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। इसे शारीरिक सुरक्षा और सुरक्षा सुरक्षा दोनों से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए अन्ना द्रमुक नेता ने तमिलनाडु सरकार से इस मामले में औपचारिक स्पष्टीकरण देने की मांग की।

टीवीके ने राज्यसभा की एकमात्र सीट कांग्रेस को दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेतृत्व वाले गठबंधन की सहयोगी पार्टी कांग्रेस को यह सीट आवंटित की गई है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और तमिलनाडु कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडणकर सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की महत्वपूर्ण बैठकों के बाद इस फैसले को घोषणा हुई है। मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात के बाद चोडणकर ने कहा कि तमिलनाडु से यह सीट मिलने से राज्यसभा में कांग्रेस की उपस्थिति और मजबूत होगी। कृषि टीवीके राज्य विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए उसके समर्थन से कांग्रेस उम्मीदवार के आराम से जीतने की संभावना है।



उपेक्षा का सवाल ही नहीं उठता : जी परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक में बुधवार को डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 13 मंत्रियों में से 11 राज्य की पिछली सिद्धरामय्या सरकार का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के बेटे और एमएलसी यतींद्र को भी मंत्री बनाया गया है। हालांकि, मंत्रिमंडल गठन के पहले चरण में किसी भी महिला प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया। विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले यू. टी. खादर और यतींद्र शिवकुमार मंत्रिमंडल में केवल दो नए चेहरे हैं।

बाकी सभी मंत्री सिद्धरामय्या नीत मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे हैं। शपथ लेने वाले वरिष्ठ दलित नेता जी परमेश्वर को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। शपथ लेने वाले अन्य मंत्री के. एच. मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, एम वी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जाकरहोली, कृष्णा बायरेगोडा, प्रियंक खरगे, यू टी खादर, ईश्वर खंडे, यतींद्र सिद्धरामय्या, विरथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इस नए मंत्रिमंडल को देखने पर ऐसा लग सकता है कि इस पर सिद्धरामय्या की छाप स्पष्ट

है। हालांकि, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि कैबिनेट गठन के अगले चरण में कई नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं। विधानसभा के संख्याबल के आधार पर राज्य में मंत्रिपरिषद में अधिकतम 34 सदस्य हो सकते हैं। जातिगत समीकरण की बात करें तो शिवकुमार मंत्रिमंडल में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों से तीन-तीन मंत्रियों को जगह मिली है। दलित समुदाय से भी तीन मंत्री बनाए गए हैं। अन्य पिछड़े वर्ग के कुरुवा समुदाय से दो मंत्री हैं।

यूनियन बैंक
Union Bank of India
अंतर कार्यालय, फ़ोन 139, बैंकिंग कोड 600 004
ईमेल: info@unionbankofindia.co.in

168, लिंगी शेट्टी स्ट्रीट, प्रथम तल, के.के. में स्थित हमारे प्रिंसिपल ऑफिस का आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए पारियोजना वास्तुकार/सलाहकार की नियुक्ति हेतु सूचना:-
168, लिंगी शेट्टी स्ट्रीट, प्रथम तल, के.के. में स्थित हमारे प्रिंसिपल ऑफिस का आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए पारियोजना वास्तुकार/सलाहकार की नियुक्ति हेतु योग्य वास्तुकार/ वास्तुशिल्प कंपनी/ जिम्मा कार्यलय अधिभारक: के.के. में स्थित हो से पूर्व-योग्यता और पेशेवर शुरुक बोली हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित है। आवेदन प्रारूप, उपर्युक्त उल्लिखित पते पर कार्यलय समय में दिनांक 04.06.2026 से उपलब्ध है। बैंक की वेबसाइट: www.unionbankofindia.co.in से तथा सरकार की पोर्टल http://govtenders.nic.in से भी आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25.06.2026 को 11.00 बजे तक है।
महा प्रबंधक, अंतर कार्यालय, के.के.

झड़प



राजस्थान विश्वविद्यालय में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मीयों के बीच बुधवार को तीखी झड़प हुई।

आसाराम जोधपुर के अस्पताल में फिर भर्ती, कड़ी सुरक्षा के बीच सेंट्रल जेल से लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



जोधपुर। नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को एक बार फिर जोधपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसे इलाज के लिए सेंट्रल जेल से कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच आरोग्य अस्पताल लाया गया है और उसे निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने आईएनएस से बातचीत में कहा कि आसाराम को मंगलवार रात अस्पताल में लाया गया था। उसके स्थानांतरण के दौरान पुलिस का एक बड़ा दस्ता तैनात रहा और उसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया। जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेडर करने के बाद आसाराम ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में उसने आरोग्य अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति मांगी थी। यह मामला राजस्थान हाईकोर्ट की

डिजीजन बेंच (जिसमें जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित शामिल थे) ने आसाराम को निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि आसाराम को अपने शेष जीवन तक जेल में रहना होगा। अपनी टिप्पणी में अदालत ने कहा कि सजा भले ही जेल की चारदीवारी तक सीमित हो, लेकिन पीड़िता को पहुंचा मानसिक आघात और जीवनभर का दर्द किसी सीमा में नहीं बंध सकता। इस आदेश के बाद अदालत ने आसाराम की अंतरिम जमानत रद्द कर दी और उसकी तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद आसाराम ने जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आगत 2013 में जोधपुर के आश्रम में एक झोपड़ी के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया था। अप्रैल 2018 में निचली अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

पैक्स एवं डेयरी समितियों के माध्यम से ग्रामीणों को घर-घर मिलेगी बैंकिंग सुविधा

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. संमित शर्मा ने बताया कि राज्य की ग्रामीण आबादी को उनके घर तक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सहकारिता विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। 'सहकार से समृद्धि' अभियान के अंतर्गत राज्य में ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) एवं प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों के माध्यम से अब फिनटेक आधारित डोर-स्टेप बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। डॉ. शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य सहकारी बैंक के अधिकारियों की टू-टू लिस्ट की समीक्षा करते हुए सभी सक्रिय प्राथमिक डेयरी

समितियों को बैंक मित्र बनाकर उन्हें माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि 31 मार्च 2027 तक सभी सक्रिय 12 हजार प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों तथा 30 सितम्बर 2026 तक 5 हजार सहकारी समितियों को बैंक मित्र बनाकर माइक्रो एटीएम उपलब्ध करवाये जाएं।

ग्राम पंचायत का कनिष्ठ सहायक रिश्तत लेते हुए गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को ग्राम पंचायत के एक कनिष्ठ सहायक को कनिष्ठ रूप से 25 हजार रुपये रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार रतनपुर ग्राम पंचायत (बसेड़ी) के कनिष्ठ सहायक रमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि मनरेगा योजना में 'मस्टररोल' (हाजिरी) जारी करने की एयज में कुमार 26 हजार रुपये रिश्तत मांग रहा है। बयान में कहा गया है कि ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद बुधवार को आरोपी को 25 हजार रुपये रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मामले में कार्रवाई जारी है।



ग्राम पंचायत स्तर तक आमजन को जोड़कर दिया पानी बचाने का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर। चम्बल रिवर फ्रंट पर 25 मई को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर द्वारा मां चम्बल की आरती, दीपदान और भव्य कलश यात्रा के साथ कोटा जिला में शुरू हुए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर तक आमजन को जोड़ते हुए इसे एक जन अभियान का रूप दिया गया है। शहरों में विभिन्न वाडों एवं गांवों में सामूहिक जल शपथ एवं संकल्प के साथ ही तालाब, बावडियों एवं अन्य जल स्रोतों की सामूहिक श्रमदान से सफाई कर अभियान में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कोटा जिला परिषद सभागार में बुधवार को आयोजित मीडिया राउंड टेबल के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वंदे गंगा अभियान के जिला नोडल अधिकारी कमल कुमार मीणा ने मीडिया कर्मियों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान में

शामिल विभिन्न विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर 25 मई से जल संरक्षण, स्वच्छता एवं श्रमदान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग द्वारा 25 मई को सभी ग्राम पंचायतों में कलश यात्रा, सरोवर पूजन एवं पीपल पूजन जैसी गतिविधियों के साथ पूरे जिले में अभियान शुरू किया गया था। 26 मई को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर उसमें अभियान के बारे में चर्चा की गई एवं सभी को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल स्रोतों, जल संरक्षण कर्मियों की सफाई, हरियाली राजस्थान की पूर्व तैयारी के तहत प्लांटेशन के लिए गड्डे खोदने, अमूल सरोवरों एवं बावडियों की सफाई जैसे कार्य किए गए। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत हंडेकंपमेंट के पास सोखता गड्डे बनाकर भू-जल रिचार्ज के प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान में स्वयत्त शासन विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत उजाड़ नदी पर सफाई, पूजन एवं जल संरक्षण कार्यों का शुभारंभ किया

गया। सुकनी नदी सहित अन्य सरोवरों पर दीप प्रज्वलन के माध्यम से जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। विभिन्न नगर पालिकाओं द्वारा पोषारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोकथाम के लिए कपड़े के थैले वितरण, कलश यात्रा, संकल्प तथा प्रभात फेरी के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत अरु नदी एनीकट पर जल पूजन, तकली बांध, पोलाई कलां तालाब पर जल उपयोगिता संग्रामों के सहयोग से सफाई अभियान, नौनरा बैराज पर जल पूजन, वृक्षारोपण एवं जल संकल्प जैसी गतिविधियां आयोजित कर अभियान में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की गई। पशुपालन विभाग द्वारा गाथरी परिवार गोशाला बांधा एवं सुल्तानपुर गोशाला में सफाई अभियान के साथ ही विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों में परिसंवेदन, सफाई करने एवं प्लास्टिक से गावों को दूरे नुकसान के बारे में आमजन को जागरूक करने संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं।

स्याहगोश के आवास, व्यवहार पर अध्ययन के लिए 'प्रोजेक्ट कैराकल' शुरू किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जंगली बिल्ली की बेहद दुर्लभ नस्ल स्याहगोश (कैराकल) के आवास, खानपान, व्यवहार और अस्तित्व संबंधी खतरों का अध्ययन करने तथा राज्य में उसके संरक्षण की नीति तैयार करने के लिए 'प्रोजेक्ट कैराकल' शुरू किया है। सलीम अली पक्षी विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केंद्र (एसएसीओएन), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), राजस्थान वन विभाग और एनजीओ 'टाइगर वॉच' के विशेषज्ञ संयुक्त रूप से 18 महीने लंबी इस परियोजना को कार्यान्वित कर रहे हैं। डब्ल्यूआईआई के निदेशक डॉ. गोविंद सागर भारद्वाज ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत राजस्थान के चार बाघ अभयारण्यों-रणथंभौर (सवाई माधोपुर), धौलपुर-करौली, रामगढ़ विषधारी (बूंदी) और मुकुंदरा (कोटा) के साथ-साथ बंधबरेठा जैसे आसपास के क्षेत्रों में स्याहगोश पर विस्तृत अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा, अध्ययन के दौरान स्याहगोश की आदतों, खानपान, आवास और अस्तित्व के समक्ष मौजूद खतरों का विश्लेषण किया जाएगा। अध्ययन में मिले निष्कर्षों के आधार पर स्याहगोश के संरक्षण की नीति बनाई जाएगी। भारद्वाज ने कहा कि स्याहगोश भारत के अर्ध-शुष्क सवाना क्षेत्रों में पाई जानी वाली बेहद

फुर्तीली दुर्लभ जंगली बिल्ली है और राजस्थान तथा गुजरात इसके प्रमुख निवास स्थान हैं, लेकिन भूमि उपयोग में तेजी से हो रहे बदलाव और बढ़ती मानवीय गतिविधियों के चलते इसका अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने बताया कि भारत में फिलहाल 100 से भी कम स्याहगोश होने का अनुमान है। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ समय पहले शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत कार्यशालाओं और शैक्षिक सामग्री के माध्यम से स्कूली छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय समुदायों में जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'कैमरा ट्रैप' और फील्ड सर्वेक्षण के माध्यम से स्याहगोश और उसके आवास के बारे में अतिरिक्त डेटा जुटाया जाएगा। वन विभाग के मुताबिक, स्याहगोश की मौजूदगी, आवाजाही के तरीके और निवास संबंधी प्राथमिकताओं का आकलन करने के लिए विभिन्न जगहों पर 'कैमरा ट्रैप' लगाए जाएंगे। 'कैमरा ट्रैप' मोशन सेंसर से लैस स्वचालित कैमरे को कहते हैं, जो अपने आसपास किसी जानवर या व्यक्ति की मौजूदगी या हलचल का संकेत मिलते ही खुद बखुद सक्रिय हो जाता है। विभाग ने बताया कि शोधकर्ता निवास स्थान में बदलाव के असर और तेंदुए तथा बाघ जैसे अन्य शिकारी जीवों के साथ प्रतिस्पर्धा या संघर्ष की संभावनाओं का भी विश्लेषण करेंगे। रणथंभौर बाघ अभयारण्य के उप वन संरक्षक मानस सिंह ने कहा कि यह परियोजना न केवल स्याहगोश के संरक्षण संबंधी उपायों को मजबूत करेगी,

बल्कि रणथंभौर क्षेत्र में जैव विविधता संरक्षण को एक नयी रफ्तार भी प्रदान करेगी। अध्ययन दल में शामिल डॉ. धर्मेन्द्र खांडल ने कहा कि इस परियोजना से स्याहगोश के लिए एक व्यापक संरक्षण रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी। 'प्रोजेक्ट कैराकल' के तहत सर्वेक्षण और डेटा विश्लेषण के लिए वरिष्ठ शोधकर्ताओं और प्रशिक्षित फील्ड कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इस परियोजना में संभावित वन्यजीव गतिार्यों और आवासों का मानचित्रण भी किया जाएगा। खांडल ने बताया कि पिछले दो दशक में स्याहगोश मुख्य रूप से गुजरात के भुज, मध्यप्रदेश के भिंड-मुरैना और राजस्थान के धौलपुर, करौली, भरतपुर तथा सवाई माधोपुर में ही दिखाई दिए हैं। उन्होंने बताया कि हाल के समय में रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य, मुकुंदरा हिंस, सरयथुरा डांग क्षेत्र (धौलपुर-करौली), बंधबरेठा और रामगढ़ (जैसलमेर) में भी स्याहगोश को देखे जाने की सूचना मिली है। वन विभाग के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की लाल सूची में शामिल स्याहगोश एक बेहद फुर्तीली निशाचर जंगली बिल्ली है, जो पक्षियों को पकड़ने के लिए हवा में 10-12 फुट तक छलांग लगाने में सक्षम है। विभाग के अनुसार, यह नस्ल भारत में अपने पूर्व निवास क्षेत्र के लगभग 95 प्रतिशत हिस्से से विलुप्त हो चुकी है और अब मुख्य रूप से राजस्थान के कुछ हिस्सों तथा गुजरात के कच्छ क्षेत्र तक ही सीमित है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सिम कार्ड पर पूर्ण प्रतिबंध, जिला प्रशासन का सख्त आदेश

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारणों का हवाला देते हुए सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल और पास रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अनुपमा जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी पाकिस्तानी सिम कार्ड का उपयोग, उसे अपने पास रखना या उसके माध्यम से किसी तरह का संचार स्थापित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि नियम तोड़ने वालों को गिरफ्तार किया जा सकता है और उनके खिलाफ संबंधित सुरक्षा कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट परसा राम ने कहा कि जैसलमेर सीमा से सटा संवेदनशील जिला है, इसलिए यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए समय-समय पर ऐसे आदेश जारी किए जाते रहें हैं। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की ओर लगे मोबाइल टावरों के सिग्नल अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 3 से 4 किलोमीटर तक भारतीय क्षेत्र में पहुंच जाते हैं।



राजस्थान को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नंबर वन बनाने का दिया कुमारी ने लिया संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान को विश्व पर्यटन मानचित्र पर नंबर वन डेस्टिनेशन बनाने के लिए अधिकारियों को संकल्पित होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि समयबद्धता के साथ सभी पर्यटन परियोजनाओं को पूरा किया जाए, ताकि राजस्थान पर्यटन विश्व पर्यटन का सिरमौर बन सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता तथा राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष अंकार सिंह लखावत, पर्यटन सचिव शुक्ति त्यागी, पर्यटन आयुक्त रुक्मिणी रियाड़, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद विपानी, पवन जैन, संयुक्त निदेशक राजेश शर्मा तथा अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को पर्यटन भवन में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन

बैठक में एस्ट्रो टूरिज्म पर विमर्श हुआ, जिसमें एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान का स्वच्छ आकाश और न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण इसे विश्व का सर्वश्रेष्ठ स्टारगैजिंग डेस्टिनेशन बनाते हैं। पश्चिमी राजस्थान के इलाकों को डार्क स्कॉर्ड रिजर्व घोषित किये जाने पर चर्चा के साथ माउंट आबू में ऑब्जरवेटरी टूरिज्म शुरू किये जाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई के समान राजस्थान के जैसलमेर-बाड़मेर को वर्ल्ड-क्लास डेजर्ट एडवेंचर हब बने इस हेतु कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने ए आई आधारित टूरिज्म ऐप बनाने पर जोर दिया। एस्ट्रो टूरिज्म की सम्भावना पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। मेड़ता स्थित शीरा बाई मंदिर में विकास कार्य पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। दिया कुमारी ने उदयपुर में वेडिंग प्रोमोशन पूवट करवाने और घूमर फेस्टिवल करने पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

आरएसी के जांबाजों का बढ़ा मान: महानिदेशक संजय अग्रवाल ने 128 पुलिसकर्मियों की थपथापाई पीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की आरम्भ बटालियन में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल को नई ऊर्जा देने के लिए आज बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस विभाग में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले आरएसी के 128 पुलिसकर्मियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पुलिस मुख्यालय आमंत्रित किया गया, जहाँ उच्चाधिकारियों ने व्यक्तिगत रूप से उनसे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम के दौरान आरएसी के जवानों को उनकी दो अलग-अलग श्रेणियों में की गई विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी गई। 116 पुलिसकर्मियों को खेल, प्रशिक्षण, रिजर्व पुलिस लाइन प्रबंधन, सामान्य प्रशासन और कल्याणकारी कार्यों में सुधार के लिए महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल हेतु ध्वनित किया गया है। आज के कार्यक्रम में इन सभी को उनके इन सराहनीय प्रयासों के लिए विशेष रूप से सराहा



आईएफएमएस 3.0 से राजस्थान की वित्तीय व्यवस्था बनेगी अधिक पारदर्शी : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान सरकार तकनीक आधारित सुशासन को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है तथा इंटीग्रेटेड फाइनेंसियल मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएमएस) 3.0 राज्य की वित्तीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, ट्रेसिबल और नागरिक-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसे अधिक सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन, भुगतान प्रक्रिया, वित्तीय निगरानी तथा लेखा प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने बुधवार को सचिवालय से आयोजित आईएफएमएस 3.0 वेबिनार में यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को सभी मांज्युल्स का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन की सोच के अनुरूप राज्य की ट्रेजरी एवं वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को और अधिक आधुनिक, मजबूत तथा विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। उन्होंने आईएफएमएस 3.0 को अधिक यूजर फ्रेंडली बनाने के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुविधाओं और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों के मध्य स्तर तक समन्वय, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा विभिन्न जिलों में अपनाई जा

सुविचार

सिर्फ बैठ कर सोचने से कोई मंजिल नहीं मिलती, पैरों को भी थोड़ा कष्ट देना पड़ता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसा कब तक चलेगा ?

दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित एक होटल में भीषण आग लगने से 20 से ज्यादा लोगों की मौत होना अत्यंत दुःखद है। किसी ने नहीं सोचा होगा कि आग की लपटों में इस तरह इन्सानों जानें भस्म हो जाएंगी। हमारे देश में आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। कहीं आग लग जाती है, तो कहीं इमारत ढह जाती है। उनमें आम लोग मरते हैं। हादसे के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होती हैं। जनता आक्रोश जताती है। कुछ अधिकारियों का निलंबन होता है। मुआयजे की घोषणा कर दी जाती है। उसके बाद सबकुछ शांत! फिर किसी नए हादसे का इंतजार होता है। आखिर, ऐसा कब तक चलेगा? दिल्ली का जो होटल आग की चपेट में आया, वहां निर्माण संबंधी अनुमति को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अगर किसी ने नियमों का उल्लंघन करते हुए ज्यादा मंजिलें बना दीं तो उस समय अधिकारी क्या कर रहे थे? क्या वे तमाशबीन बने हुए थे? सवाल सिर्फ इस एक हादसे का नहीं है। जब भी कहीं आग लगती है, इमारत ढहती है तो यह बिंदु सामने आता है। अधिकारी समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं करते? वे उस समय कहां व्यस्त रहते हैं? अगर अधिकारी अपना कर्तव्य ठीक ढंग से निभाएं, नियम-विरुद्ध काम करने की अनुमति किसी स्थिति में न दें तो ऐसे हादसों को काफी हद तक टाला जा सकता है। सरकार भी ऐसे अधिकारियों को सिर्फ निलंबित करती है। यह कोई सजा नहीं है। बाद में, वे वापस बहाल हो जाते हैं। ऐसे मामलों में सख्ती से जांच होनी चाहिए। जो अधिकारी दोषी पाया जाए, उसे नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए। उसकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। कोई अधिकारी इतना लापरवाह और श्रद्धा है कि उसके कारण लोगों को जान गंवानी पड़ रही है तो उसके लिए उचित जगह दफ्तर नहीं, बल्कि जेल है।

कुछ दिन बाद जब मानसून अपनी पूरी ताकत के साथ आया तो कई इलाकों से हादसों की खबरें आएंगी। यह कोई नई बात नहीं है। ऐसा हर साल होता है। कहीं राह चलते लोग गड्ढे में गिर जाते हैं। कोई शख्स अपना परिवार पालने के लिए नौकरी करने जाता है, लेकिन बीच रास्ते में करंट के कारण जान गंवा बैठता है। कहीं आवादा पशु किसी वाहन से टकरा जाता है। कहीं सड़क इतनी खराब है कि वहां गिरने से कई लोगों के हाथ-पांव टूटते हैं। क्या हम पहले से अनुमान लगाकर इन हादसों को टालने के लिए उचित कदम नहीं उठा सकते? यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। कहां हादसे होते हैं, कहां कैसी समस्या है - अधिकारी इन बातों से अपरिचित नहीं हैं। उन्हें थोड़ी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। आग लगने के बाद कार्रवाई करने से कहीं बेहतर है, आग लगने की आशंका को कम या खत्म कर दें। कई बार ऐसी खबरें आती हैं कि किसी इलाके में आग लगी तो दमकल बुलाई गई, लेकिन वाहन को आगे आने में परेशानी हुई, क्योंकि रास्ता ही नहीं था। अधिकारी आंखें मूंदे रहे और लोग अतिक्रमण करते रहे। जो रास्ता कभी वाहनों के लिए छोड़ा गया था, उस पर इतनी दीवारें खड़ी कर दी गई कि अब राहगीर सही-सलामत निकल जाए, यही काफी है। कई दुकानदार अपनी दुकान के आगे सामान की नुमाइश लगाते हैं। वे उसे इतनी आगे बढ़ा देते हैं कि रास्ता अवरुद्ध हो जाता है। इससे वाहनों के निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। कई बार लड़ाई-झगड़े होते हैं, लेकिन हालात नहीं बदलते। प्रशासन अतिक्रमण हटाने के नाम पर कोई अभियान चलाता है तो कुछ दिन नुमाइश नहीं लगती। उसके बाद वही ढाक के तीन पात! इस तरह हादसे नहीं रुकेंगे, बल्कि बढ़ते जाएंगे। इन्हें रोकने के लिए अधिकारियों को नियमों का सख्ती से पालन कराना होगा। इस काम में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें और लोगों की जान बचाएं।

ट्वीटर टॉक



साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सशक्त समाज की पहचान है। प्रदेश में हमारी सरकार द्वारा 14.50 लाख बालिकाओं को साइकिल वितरण की पहल ने बेटियों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोले।

-वसुंधरा राजे

आज टूरिज्म, आर्ट एंड कल्चर और आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट के अधिकारियों की एक मीटिंग टूरिज्म भवन में हुई, जिसमें डिपार्टमेंट की रकमी, बड़े प्रोजेक्ट, आने वाले एक्शन प्लान और बजट घोषणाओं को लागू करने का डिटेल् में रिव्यू किया गया।

-दिया कुमारी

कोटा संसदीय क्षेत्र के सुल्तानपुर-इटवा इलाके में, एक मल्टी-पर्सन इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम समेत पब्लिक सुविधाओं से जुड़े कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। खेलो इंडिया स्कीम के तहत, ग्रामीण इलाकों में बनाए जा रहे हैं।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति में सेहत

एक संत अपने शिष्य के साथ वन में भ्रमण कर रहे थे उन्होंने देखा कि सामने से कुलावें भरता हिरण आया और गायब हो गया। कुछ ही क्षणों के बाद खरगोश का जोड़ा मरती के साथ दौड़ता नजर आया। इसी बीच एक व्यक्ति हाथ में लाठी लिए हुए उधर से निकला। उससे बड़ी मुश्किल से चला जा रहा था। सुरियों से भरा उसका पीला चेहरा देखकर शिष्य दुखी हो उठा। उसने संत जी से पूछा, 'महाशार! हिरण, खरगोश तथा अन्य पशु-पक्षी कभी बीमार होते नहीं देखे। मरती में कुलावें भरते दिखाई पड़ते हैं। जबकि मनुष्य प्रायः किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त देखे जाते हैं। इसका मुख्य कारण क्या है?' संत जी ने शिष्य को समझाया, 'यस, पशु-पक्षी प्रकृति के अनुसार चलते हैं। खरगोश, हिरण आदि भूख लगने पर च्वाद की चिंता किए बिना हरी-हरी घास खाकर पेट भर लेते हैं। दौड़-दौड़कर खाया-पिया पचा लेते हैं। इसलिए कभी बीमार नहीं होते हैं। जबकि मानव ने 'जीने के लिए खाने' के लक्ष्य की जगह 'तरह-तरह के सुरमाद और चपटपटे पदार्थ खाने के लिए जीना' अपना लक्ष्य बना लिया है। जिज्ञा व अन्य इच्छाओं पर नियंत्रण न रख पाना ही मनुष्य की शारीरिक व मानसिक विकृति का मुख्य कारण बना हुआ है।'

नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133



आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है।

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान महत्वपूर्ण



माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है।

नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की उच्च मात्रा करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण

नजरिया

साइबर सुरक्षा का नया सच : जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

प्रो. आरके जैन अरिजीत

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्ड की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरीएच तथा यूएसआई लुगानो के शोधकर्ताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूजर्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाते वाले यूजर्स जीरो-नॉलेज एंक्रिप्शन को फाइनेल सिक्वोरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खासियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जो सिक्वोरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है। सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिकर्स में



डिजिटल भरोसा

बड़ा जोखिम

बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैंलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर्स के कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूजर्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैकर्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉग, ब्राउजर की कमजोरियां, सफ्टवेयर-चैन अटैक और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार शेरियर सिस्टम्स और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे युग वॉल्ट को रिकर्स में डाल सकती हैं। जीरो-नॉलेज भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसिंग विद्यमान नहीं। यदि आधारभूत डेटा की समझौता कर ले, तो

एंक्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्वोरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती। इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवर्ड्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्वोरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाया भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवर्ड्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्वोरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं

करते। ऐसे में यूजर्स को पुराने और नए दोनों सिक्वोरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेंसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।

बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्वोरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्वोरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजर्स मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेजी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूजर विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेकिनकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। साफ है कि टेक्नोलॉजिकल इन्वेंशन के साथ जागरूक और अलर्ट यूजर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

बदलते साइबर परिदृश्य का सबसे बड़ा सबक यही है कि सिक्वोरिटी कभी स्टेबल नहीं रहती। पासवर्ड मैनेजर्स ने पासवर्ड दोहराव की समस्या घटाई है, लेकिन अब वे खुद साइबर क्रिमिनल्स के निशाने पर हैं। इसलिए न अंधा ट्रस्ट उचित है और न ही उनका पूरी तरह से त्याग। जरूरत सतर्कता, बैलेंस्ड अप्रोच और नई टेक्नोलॉजी के साथ खुद को लगातार अपडेट रखने की है। पासकी, हार्डवेयर सिक्वोरिटी कीज, बायोमेट्रिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम्स भविष्य की दिशा तय करेंगे, लेकिन सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी जागरूक यूजर ही रहेगा। जब तक डिजिटल आदतों में बदलाव नहीं आया, साइबर खतरे बने रहेंगे। इसलिए सुविधा नहीं, सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि एक साइबर अटैक केवल डेटा ही नहीं, बल्कि ट्रस्ट और प्राइवेंसी भी छीन सकता है।

महत्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor: Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act). Group Editor - Shreekanth Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No. RNI No.: TNHN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वेबसाइट, कॉन्सल्ट, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबन्धता या धमकी का व्यव करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदी पत्रकारिता का शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था : राज्यपाल मंगूभाई पटेल

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने बुधवार को कहा कि हिंदी पत्रकारिता का शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उस समय के पत्रकारों ने ब्रिटिश शासन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने आदर्शों और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखा।

पटेल यहां माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की ओर से आयोजित 'हिंदी पत्रकारिता त्रिशताब्दी समारोह, पुरखों को नमन : पोस्टर प्रदर्शनी' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने इस पहल के लिए संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन की अनेक कठिनाइयों के बीच भी उस दौर के कर्मचारी पत्रकारों ने पत्रकारिता के आदर्शों और उसकी विश्वसनीयता को अक्षुण्ण रखा। उन्होंने कहा, ऐतिहासिक हिंदी समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और युगप्रवर्तक संपादकों पर आधारित यह प्रदर्शनी प्रेरणादायी प्रयास है। यह उन संपादकों के त्याग, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना को जीवित

करती है, जिन्होंने अपना जीवन जनसेवा और राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए समर्पित कर दिया।

पटेल ने कहा कि पत्रकारिता कोई सामान्य पेशा नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सत्य के प्रति निष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने हमेशा समाचारों के प्रसार की सीमाओं से आगे बढ़कर समाज को दिशा देने, जनमत को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का काम किया है।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान हिंदी पत्रकारिता ने जनजागरण, सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस युग में हिंदी पत्रकारिता को वीडियो, पॉडकास्ट, वेबसाइट और मोबाइल मंचों के माध्यम से युवा पीढ़ी से जोड़ना आवश्यक है।

इस अवसर पर राज्यपाल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'पीर परायी जाने रे' का विमोचन किया गया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में बचे एक प्रतिशत गतिरोध को दूर करने की कोशिश जारी: सर्जियो गोर

मुंबई/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका अपने व्यापार समझौते में शेष एक प्रतिशत के गतिरोध को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद है कि अगले कुछ सप्ताह के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

'सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस' में गोर ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल इस समय समझौते पर बातचीत के लिए भारत में है। एक अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए भारत और अमेरिका के शीर्ष वार्ताकारों ने मंगलवार को तीन दिवसीय वार्ता शुरू की।

समझौते का प्रारूप फरवरी में तैयार कर लिया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेडन लिच कर रहे हैं, जबकि भारत की ओर से वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार हैं।

गोर ने कहा, "अंतरिम व्यापार समझौते का अधिकांश हिस्सा तय हो चुका है। अब केवल एक प्रतिशत मुद्दा बचा है, जिसे अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के नेता इस पर हस्ताक्षर कर इसे औपचारिक और कानूनी रूप दे सकें।" उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि यह काम अगले कुछ सप्ताह में पूरा हो जाएगा। इसमें वर्षों नहीं लगेंगे। हम समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं।"

गोर ने 11 और 12 मार्च, 2026 को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि

(यूएसटीआर) द्वारा बंधुआ मजदूरी और अतिरिक्त औद्योगिक क्षमता से जुड़े मुद्दों पर 60 देशों के खिलाफ धारा-301 के तहत शुरू की गई जांच पर भी प्रतिक्रिया दी।

यूएसटीआर ने दो जून को बंधुआ मजदूरी से संबंधित जांच के निष्कर्ष जारी करते हुए 60 अर्थव्यवस्थाओं से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था।

गोर ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क वैश्विक स्तर पर लागू किए गए हैं और उनका लक्ष्य विशेष रूप से भारत नहीं है। उन्होंने कहा, "ये शुल्क केवल भारत पर नहीं लागू हुए हैं। ये यूरोपीय संघ, कनाडा, मेक्सिको और जापान तथा दक्षिण कोरिया सहित एशिया के लगभग सभी देशों पर लागू किए गए हैं।"

सहायता



पश्चिम मेदिनीपुर के मेदिनीपुर सदर ब्लॉक कार्यालय में बुधवार को 'अन्नपूर्णा भंडार योजना' के तहत महिला लाभार्थियों को वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रति माह 3,000 की सहायता दी जाती है।

एआई अवसंरचना में संपर्क अहम, मार्वेल बन सकती है हजार अरब डॉलर की कंपनी : एनवीडिया सीईओ

ताइपे/भाषा। चिप विनिर्माता कंपनी एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेंसन हुआंग ने अगली पीढ़ी के कृत्रिम मेधा (एआई) ढांचे को सशक्त बनाने में संपर्क के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया है।

मार्वेल टेक्नोलॉजी के प्रमुख सीईओ के साथ 'कंस्यूटैक्स 2026' में साझा करते हुए हुआंग ने कहा कि इस सेमीकंडक्टर कंपनी में एक हजार अरब डॉलर की कंपनी बनने की संभावना है।

जेंसन हुआंग ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "अगली हजार अरब-डॉलर कंपनी।" इस पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

सीडिया की खबरों के अनुसार, इस घोषणा के बाद मार्वेल के शेयर

में 30 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इस वर्ष की शुरुआत में एनवीडिया ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए मार्वेल टेक्नोलॉजी में दो अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।

हुआंग ने मंगलवार को एआई अवसंरचना को सक्षम बनाने में संपर्क के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मार्वेल की प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर को व्यापक बनाने और आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, "उपयोगी एआई आ चुका है। यही कारण है कि आपकी मांग तेजी से बढ़ रही है और मेरी मांग भी बढ़ रही है।" यह वैश्विक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम ताइवान एक्सटेंशनल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा

आयोजित किया गया था।

वहीं मेट मर्फी ने कहा कि डेटा सेंटर के भीतर परंपरिक तांबा-आधारित प्रौद्योगिकी से संपर्क को व्यापक करना उद्योग के लिए चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि टैराबिट डेटा स्पीड पर सिग्नल में गंभीर गिरावट, बिजली की बढ़ती आवश्यकता और अत्यधिक गर्मी विकसित होने के कारण तांबे के तार कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं।

मर्फी की कंपनी ने कैलिफोर्निया मुख्यालय के बाहर भारत में अपना सबसे बड़ा वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि सर्वर रैक के भीतर परंपरिक तांबा केबल अब अपनी भौतिक सीमाओं पर पहुंच रही है।

कमी मत कहो कि हमारे पास कम है: अंकिता लोखंडे



मुंबई/एजेन्सी। टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने मंगलवार को अपनी नानी के 84वें जन्मदिन समारोह की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनकी नानी आंशिक पैरालिसिस (लकवा) से पीड़ित होने के बावजूद आज भी आत्मनिर्भर हैं और किसी पर निर्भर नहीं रहतीं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में अंकिता पीले रंग की साड़ी पहने अपनी नानी का हाथ थामकर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक ले जानी नजर आ रही हैं। वीडियो के अन्य हिस्सों में परिवार के सदस्य भी उनकी नानी के आसपास दिखाई दे रहे हैं। समारोह के दौरान अंकिता भावुक भी नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, आज मेरी आजी (नानी मां) का 84वां जन्मदिन है। साथ ही उन्होंने अपने जीवन में 1000 पूर्ण चंद्रमा देखने का विशेष पड़ाव भी पूरा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह अपनी नानी को मां के समान मानती हैं। उन्होंने लिखा, जब मैं केवल छह महीने की थी, तभी से नानी ने मुझे अपनी गोद में पाल-पोसकर बड़ा किया। इसलिए वह मेरे लिए सिर्फ नानी नहीं, बल्कि मां जैसी हैं। जीवन की सबसे बड़ी सीख मैंने उन्हीं से सीखी है, भगवान पर विश्वास रखना, रिश्तों की कद्र करना, घर को प्यार से संभालना और पैसे की अहमियत समझना। उनकी एक बात मैं आज भी हमेशा याद रखती हूँ, कभी यह मत कहो कि हमारे पास कम है, हमेशा कहो कि हमारे पास बहुत कुछ है। अंकिता ने लिखा, एक छोटे से घर में चार बेटियों की परवरिश करते हुए मां आजी ने इतना प्यार और अपनापन दिया कि उनके घर से कोई भी कभी भूखा नहीं लौटा। आज भी उनका हीसला मुझे प्रेरित करता है। शरीर का एक हिस्सा प्रभावित होने के बाद भी वह पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जी रही हैं।

रणवीर सिंह के 'डॉन 3' विवाद पर प्रोजेक्सर्स गिल्ड सख्त, कहा-कलाकारों का ऐसा बर्ताव बर्दाश्त नहीं

मुंबई/एजेन्सी। फिल्म निर्माताओं के संगठन 'प्रोजेक्सर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' ने एक्टर रणवीर सिंह के फिल्म 'डॉन-3' और उससे जुड़े विवाद को देखते हुए बुधवार को नया बयान जारी किया है। शिवाजी सरकार के नेतृत्व वाले इस संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कलाकारों के ऐसे गैर जिम्मेदाराना बर्ताव की आलोचना की। इससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने लिखा, हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां कलाकार, निर्देशक और तकनीशियन अपनी तय प्रतिबद्धताओं से आखिरी समय पर पीछे हट रहे हैं। प्रोजेक्सर्स गिल्ड ऑफ इंडिया को अपने सदस्य एक्सल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल

लिमिटेड से भी इस संबंध में औपचारिक शिकायतें मिली हैं। ये समस्याएं फिल्मों की मुख्य शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले सामने आईं। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म इंडस्ट्री के किसी भी सदस्य को ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे निर्माताओं को भारी आर्थिक नुकसान होता है और इंडस्ट्री के अन्य क्षेत्रों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस तरह के कदम भरोसे, पेशेवर व्यवहार और आपसी सम्मान की उस भावना को कमजोर करते हैं, जिस पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री आधारित है। प्रोजेक्सर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने अपने बयान में जोड़ते हुए बताया कि इस तरह की घटनाओं से किसी भी फिल्म की ब्रांड वैल्यू को नुकसान पहुंचता है। साथ ही उन सेकड़ों तकनीशियनों और कू सदस्यों की आजीविका भी प्रभावित होती है, जो इन परियोजनाओं पर निर्भर रहते हैं।

'सलमान खान को कोर्ट में ही जवाब देंगे', 'काला हिरण' विवाद पर निर्माता अमित जानी का पलटवार

मुंबई/एजेन्सी। फिल्म 'काला हिरण: द बेटल फॉर लेगेसी' को लेकर छिड़ा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा फिल्म के मेकर्स को भेजे गए लीगल नोटिस के बाद अब निर्माता अमित जानी ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। से बातचीत में अमित जानी ने कहा कि यदि सलमान खान इस मामले को अदालत तक ले जाना चाहते हैं, तो यह उन्हें कोर्ट में ही जवाब देंगे। उन्होंने दावा किया कि उनकी फिल्म न तो सलमान खान पर आधारित है और न ही गैरस्टार लॉरेंस बिश्रॉई पर, बल्कि यह बिश्रॉई समाज के उन लोगों की कहानी है, जिन्होंने अपने अधिकारों और न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। से बात करते हुए अमित जानी ने कहा, फिल्म का अभी तक न तो टाइटल रिलीज हुआ है और न ही ट्रेलर सामने आया है। जब किसी ने फिल्म देखी ही नहीं है, तो उसके कंटेंट को लेकर आपत्ति कैसे जताई जा सकती है? अगर सलमान खान सीधे उनसे बातचीत करते और फिल्म की कहानी के बारे में पूछते, तो मैं विस्तार से समझा देता कि फिल्म का वास्तविक विषय क्या है। निर्माता ने कहा, मुझे लगता है



कि सलमान खान बिना पूरी जानकारी के इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं। फिल्म में किसी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की गई है। अगर किसी पोस्टर में एक व्यक्ति बंदूक लिए खड़ा दिखाई देता है और कहीं भी सलमान खान का नाम नहीं लिखा गया है, तो यह मान लेना कि फिल्म उन्हीं के बारे में है, सही नहीं है।

बातचीत के दौरान अमित जानी ने आगे कहा, काला हिरण उन बिश्रॉई समुदाय के लोगों की कहानी है, जिन्होंने न्याय के लिए संघर्ष किया। मेरी पिछली फिल्म 'उदयपुर फाइलस' को लेकर भी कानूनी विवाद सामने आया था। उस मामले में अदालत के निर्देश पर हमने याचिकाकर्ताओं को फिल्म रिलीज से पहले दिखाई थी। इसी तरह यदि अदालत इस मामले में भी ऐसा कोई निर्देश देती है, तो हम उसका पालन करेंगे। अगर सलमान खान सीधे तौर पर फिल्म देखने की इच्छा जताते, तो मैं इसके लिए भी तैयार था। लेकिन बिना फिल्म देखे सीधे नोटिस भेजना उचित नहीं है। निर्माता ने कहा, फिल्म बनाने का अधिकार सभी को है। आरुषि तलवार हत्याकांड, देश के विभाजन, महात्मा गांधी की हत्या, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ जैसे व्यक्तियों पर भी फिल्में बनाई गई हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म 'अजेय' के लिए उनकी मंजूरी नहीं ली गई थी, क्योंकि यह किताब 'द माॅक हू बिडेम चीफ मिनिस्टर' पर आधारित थी। हमारी फिल्म भी इस संबंध पर लिखी गई चार किताबों पर आधारित है।



देश को आर्थिक संकट से उबारने वालों के बारे में कोई नहीं जानता : मनोज वाजपेयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। अभिनेता मनोज वाजपेयी का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म 'गवर्नर' में उन लोगों के योगदान के बारे में बताया जाएगा, जिन्होंने तीन दशक पहले देश को गंभीर आर्थिक संकट से उबारने में अहम भूमिका निभाई थी। उसी घटनाओं पर आधारित इस फिल्म में 1990 के दशक की शुरुआत में भारत को झकझोर देने वाले आर्थिक संकट की कहानी दिखाई जाएगी।

फिल्म में मनोज वाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार आरबीआई के पूर्व गवर्नर एस. वेंकटरमणन से प्रेरित है। फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है, जबकि इसमें अदा शर्मा और मधु भी प्रमुख

भूमिकाएं निभाती नजर आएंगी। वाजपेयी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत करते हुए कहा कि 1991 के आर्थिक संकट के समय यह दिल्ली में रंगमंच कलाकार थे और अखबारों के जरिए घटनाक्रम पर नजर रखते थे।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा से खबरों का शौकीन रहा हूँ। इसलिए मुझे पूरी तरह पता है कि यह हुआ था। लेकिन बंद दरवाजों के पीछे क्या हुआ और ये कौन लोग थे जो भारत को उस संकट से बाहर निकालने के लिए जिम्मेदार थे, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं थी। अभिनेता ने कहा कि यह उस समय एक संघर्षरत रंगमंच कलाकार के रूप में पूरी तरह कंगाली में जीवन बिता रहे थे। वाजपेयी ने कहा, एक गरीब व्यक्ति की ज़िंदगी चलती रहती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि जब रुपये का मूल्य घटता है तो उसका बोझ सभी को उठाना पड़ता है। उस समय भी स्थिति ऐसी ही थी।

अभिनेता ने राजनीतिक अस्थिरता के बीच वित्तीय संकट से निपटने में पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकटरमणन, अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह और तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जैसी प्रमुख हस्तियों के योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, इन लोगों के योगदान के बारे में कोई नहीं जानता। ऐसे में एक फिल्मकार या पटकथा लेखक की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को सिनेमाई और नाटकीय रूप देकर लोगों तक पहुंचाया जाए।

जब वाजपेयी से पूछा गया कि क्या फिल्म में किसी एक पक्ष का समर्थन किया गया है, तो अभिनेता ने कहा कि उन्होंने इसे यथासंभव प्रामाणिक बनाए रखने की कोशिश की है। निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की इस फिल्म का सह-निर्माण आशिन ए. शाह ने किया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



दिल्ली के मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड के पीड़ितों के परिजनों का मेक्स अस्पताल के बाहर रो-रोकर बुरा हाल है। बुधवार को हुए इस दर्दनाक हादसे में कथित तौर पर 21 लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

'काॅकटेल 2' के ट्रेलर में दिखी दोस्ती, प्यार और रिश्तों की उलझनें

मुंबई/एजेन्सी। साल 2012 में आई फिल्म 'काॅकटेल' ने दोस्ती, प्यार और रिश्तों की कहानी को एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया था। सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायाना पेंटी की तिकड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब करीब 14 साल बाद निर्देशक होंमी अदजानिया 'काॅकटेल 2' लेकर लौटे हैं। इस बार फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में रोमांस, दोस्ती, इमोशनल, कॉमेडी और रिश्तों की उलझनें एक साथ देखने को मिलती हैं। करीब तीन मिनट के ट्रेलर की शुरुआत शाहिद कपूर के किरदार कुणाल के एक दिलचस्प लाइन से होती है, जिसमें वह कहता है, 'रिश्ता जब नया होता है ना, तो एक्सपैक्टिंग



होता है, नए दोस्त मजेदार लगते हैं, क्योंकि उनकी कहानियां हमारे लिए नई लगती हैं, लेकिन प्यार उस फटी हुई टी-शर्ट की तरह होता है, जिसमें हम रोज रात सूकून से सोते हैं, और जब प्यार दोस्ती बन जाता है और दोस्ती में प्यार का रंग मिल जाता है, तो इससे बचने का एक ही सॉल्यूशन रह जाता है।' इसके बाद

केवल दोस्ती का था, वह धीरे-धीरे लव फीलिंग में बदल जाता है। शाहिद का किरदार खुद भी इन फीलिंग्स के बीच उलझता नजर आता है। डायलॉग्स की बात करें तो ट्रेलर में कई ऐसे डायलॉग हैं जो दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। एक जगह कृति सेनन का किरदार कहता है- 'सब अपनी-अपनी एक्सपाइरी डेट के साथ आते हैं, और एक्सपाइरी डेट के बाद तो दवा भी जहर बन जाती है।' वहीं ट्रेलर के आखिर में शाहिद कपूर का एक डायलॉग लोगों के चेहरे पर हंसी ला देता है, जिसमें वह कहते हैं 'मैं हीरा नहीं कोहिनूर हूँ।' म्यूजिक भी ट्रेलर की एक बड़ी ताकत बनकर सामने आया। ट्रेलर में पहली 'काॅकटेल' फिल्म का लोकप्रिय गाना 'तुम ही हो बंधू' भी सुनाई दिया। 'काॅकटेल 2' का निर्माण मेडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म की कहानी लव रंजन और तरुण जैन ने लिखी है।

दुःख की जड़ काटो, सुख अपने आप खिल उठेगा : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



चेन्नई। यहां पुरुषावानीय पांडनाथ शेटावर जैन संघ में विराजित आचार्य कुलबोधिसूरी म.सा. ने बुधवार को धर्मसभा को 'साधना का सीटी स्कैन' विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि अनादिकाल से आत्मा संसार में परिभ्रमण कर रही है। ऐसा एक भी भव नहीं है, जहां आत्मा ने भ्रमण न किया हो। किंतु विचारणीय प्रश्न यह है कि इतने लंबे परिभ्रमण के दौरान हमने वास्तव में प्राप्त क्या किया है?

आचार्यजी ने कहा कि समस्त जीवों का एकमात्र प्रयास सुख की प्राप्ति और दुःख की निवृत्ति रहा है, लेकिन विडम्बना यह है कि सुख पाने की जितनी अधिक कोशिश की गई, दुःख उतना ही बढ़ता गया। इसका कारण यह है कि हमने दुःख के मूल कारणों को समाप्त करने के बजाय केवल उसकी शाखाओं और पत्तों को काटने का प्रयास किया। यदि किसी वृक्ष का अस्तित्व समाप्त

करना हो तो उसकी जड़ पर प्रहार करना पड़ता है। उसी प्रकार दुःख रूपी वृक्ष को समाप्त करना है तो उसके मूल कारणों को पहचानकर दूर करना होगा।

आचार्यजी ने साधना का सीटी स्कैन करते हुए दुःख के तीन प्रमुख कारण बताए, अभाव, प्रभाव और स्वभाव। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों का मन अभाव का आराधक बना हुआ है। जो हमारे पास नहीं है, उसकी चिंता और पीड़ा हमारे मन को अधिक सताती है, जबकि जो उपलब्ध है, उसका आनंद लेना हम भूल जाते हैं। यही अभाव का दुःख है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आत्ममथन करने का आह्वान करते हुए कहा कि क्या हम इसलिए दुःखी हैं कि जो

वस्तु हमारे पास नहीं है, वह दूसरों के पास है? यदि ऐसा है तो यह हमारी दृष्टि की कमजोरी है। उन्होंने समाधान बताते हुए कहा कि जीवन में वर्तमान योग को अपनाना चाहिए। न अतीत की स्मृतियों में उलझना चाहिए और न भविष्य की चिंताओं में भटकना चाहिए। जो व्यक्ति वर्तमान में जीना सीख लेता है, वह अनेक मानसिक व्यथाओं से स्वतः मुक्त हो जाता है।

आचार्यजी ने समाधान बताते हुए कहा कि अभाव को दूर करना है तो प्रेम बढ़ाए, प्रभाव को मिटाना है तो प्रेम बढ़ाए और स्वभाव को श्रेष्ठ बनाना है तो दूसरों की प्रशंसा करने की आदत विकसित की जाए। जहां प्रेम होता है, वहां ईर्ष्या स्वतः समाप्त हो जाती है और जहां प्रशंसा का भाव होता है, वहां व्यक्तित्व आदर्श बन जाता है।

आचार्यजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपनी साधना का सीटी स्कैन करना चाहिए और देखना चाहिए कि उसके भीतर अभाव, प्रभाव और स्वभाव जनित दुःख कितने कम हुए हैं।

सहयोगियों का श्रुत सेवा के लिए अभिनन्दन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



चातुर्मास में धार्मिक पुस्तकों का रटाल लगाते हैं। हर वर्ष दादा वाडी में प्रभु महावीर धम्म कल्याणक के अवसर पर धार्मिक पुस्तकों का निशुल्क रटाल लगाते

हैं। अनेक ज्ञान पिपासु भाई बहन इन पुस्तकों को निशुल्क प्राप्त कर अध्ययन करते हैं। पिछले बारह वर्षों से उम्मेद काका दैनिक रूप से साहूकारपेट के स्वाध्याय भवन

में सात आठ घण्टों तक धार्मिक पुस्तकों की राख रखाव करते हैं व पुस्तकों में दीमक ना लगे व जीवों की उत्पत्ति ना हों जीव हिंसा ना हों पूरा वियेक रखते हैं।

अभिनन्दन के प्रसंग पर श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने श्रुत सेवा करने वाले उम्मेद काका व उनके सहयोगियों हेमन्त बाफना, नवरतनमल चोरडिया स्थानीय तमिल भाषी उतम, एवं कलयप्पन द्वारा की जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उनकी निःशुल्क श्रुत सेवाओं की सराहना की। श्रुत सेवाएं प्रदान करने हेतु सभी बन्धुवर्गों का स्वागत अभिनन्दन विनोद बोथरा बुधमल बागमार हरिश मुथा बोथरा एवं आर नरेन्द्र कांकरिया द्वारा किया गया।

श्रावक मर्यादित जीवन जीएं : साध्वीश्री स्वाति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में स्थानक भवन में बुधवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री स्वातिजी ने कहा कि श्रावक मर्यादित जीवन जीएं। भगवान ने दो प्रकार के धर्म आगार और अणगार धर्म बतलाए हैं जिनमें पंच महाव्रत का पालन साधुओं के लिए और गृहस्थ जीवन जीने वाले श्रावक के लिए बारह व्रतों का विधान किया गया है। जीवन में हमेशा आत्मा की शुद्धि के लिए धर्म मार्ग पर आगे

बढ़ते रहना चाहिए। धर्म ही हमें जीवन जीने की कला और संसार सागर से पार कराने वाला है। भगवान महावीर के प्रमुख आनंद, कामदेव, शंख आदि महान श्रमणोपासकों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को संयमित, मर्यादित जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमेशा श्रावकों को सुपात्र दान के साथ अतिथि संविभाग की भावना रखनी चाहिए, जिससे श्रावक के जीवन में कर्मों की निर्जरा होती है। जीवन में हमेशा परोपकार की भावना रखें। भगवान महावीर ने दान को श्रावक का प्रमुख कर्तव्य बताया है। जीवन में गुण को ग्रहण करने का भाव रखें। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार कचौलिया ने किया।



अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने ओयूएम मलेशिया के साथ मनाया 10वां दीक्षांत दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने होटल राधा रीजेंट, चेन्नई में अपना 10वां दीक्षांत समारोह गर्वपूर्वक मनाया, जो संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र सफलता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस भव्य समारोह में चेन्नई, हैदराबाद, विजयवाड़ा और बेंगलूरु में स्थित चेन्नई के अमृता परिसरों से स्नातक होने वाले लगभग 300 छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में ओयूएम यूनिवर्सिटी मलेशिया (ओयूएम)

और फ्यूचर ड्रीम एकेडमी, मलेशिया के विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्य अतिथि, ओयूएम मलेशिया के अध्यक्ष और कुलपति, प्रोफेसर दातो डॉ. अहमद इजानी अवांग ने दीक्षांत भाषण दिया और स्नातकों को डिप्लोमा प्रदान किए। समारोह में ओयूएम मलेशिया के उपाध्यक्ष और उप कुलपति (व्यापार विकास) प्रोफेसर डॉ. योन रोस्ली दाउद और मेटियोर लर्निंग, मलेशिया की प्रमुख सुश्री नॉरफिटी शमरुद्दीन भी उपस्थित थीं।

फ्यूचर ड्रीम एकेडमी, मलेशिया की ओर से अध्यक्ष के. कलैरसन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जय नानक सिंह

उपस्थित थे, जिन्होंने स्नातक छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाने में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेन्नईस अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. बूमी नाथन ने की, जिन्होंने स्नातकों को बधाई दी और उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने संबोधन में, उन्होंने ओयूएम मलेशिया के साथ संस्थान की दीर्घकालिक साझेदारी पर प्रकाश डाला, जिसने छात्रों को बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव, अकादमिक संवर्धन और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यताएं प्रदान की हैं।



सद्गुणहीन व्यक्ति ईसान कहलाने लायक नहीं होता : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि पद, प्रतिष्ठा, धन, वैभव से संपन्न होने के बावजूद भी व्यक्ति में यदि सद्गुण विद्यमान नहीं हैं तो वह ईसान कहलाने के लायक नहीं है। जिसके पास भौतिक वैभव शून्य है और सद्गुणों से परिपूर्ण है वह दुनिया में सबसे महान और अमीर व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि दुर्गुणों का जीवन में प्रवेश होने पर धन की बर्बादी, आत्मा का पतन, संस्कारों की होली होती है, चरित्र का नाश होता है। जैसे सोने की लंका का विनाश हुआ, वैसे ही संस्कारहीन जीवन में धन, वैभव होने के बावजूद पतन

और विनाश हो जाता है। मुनि कमलेशजी ने कहा कि सद्गुणों को अपनाकर सामान्य व्यक्ति भी महापुरुषों के श्रेणी में आ जाता है और मरकर भी दुनिया में अमर हो जाता है, अनंत काल तक जनता को मार्गदर्शन करता रहता है। उन्होंने कहा कि सद्गुण जन्म-जन्मान्तर तक आत्मा का विकास करते हैं।

भक्त रविदास, तुलसी, कबीर झोपड़ी में रहकर भी देव तुल्य पूजनीय बन गए। इस मौके पर पुष्कर भवन में विराजित साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने राष्ट्रसंत का स्वागत किया। साध्वीश्री धर्मशीलाजी, तरुणशीलाजी, सिद्धिशीजी ने मंगलाचरण किया। पुष्कर भवन के अध्यक्ष नेमीचंद सालेबा, उपाध्यक्ष माणकचंद बडेरा, मंत्री महावीरचन्द मेहता सहित विहार ग्रुप के युवा, महिला व युवती मंडल के सदस्य उपस्थित थे।



शॉपिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे महेंद्र मुणोत, मिला आमंत्रण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गत 13 वर्षों से महिला उद्यमियों को प्रदर्शनी के आयोजन द्वारा उनकी व्यावसायिक प्रतिभा को उभारने हेतु प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'वीर इवेंट्स' द्वारा चार जून से होने वाले दो दिवसीय फेब्रुलस फैशन शॉपिंग प्रदर्शनी के बैनर का अनावरण मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने किया।

वीर इवेंट्स की दोनों संचालिका किंकी जैवंत एवं शीतल जैन ने

महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए महेंद्र मुणोत के योगदान की सराहना करते हुए प्रदर्शनी के उद्घाटन के लिए मुणोत को आमंत्रित किया। इस मौके पर महेंद्र मुणोत ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए वीर इवेंट्स निरंतर प्रदर्शनी का आयोजन कर महिला सशक्तिकरण में सहयोग दे रहा है।

राजलदेसर परिषद् की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय राजलदेसर परिषद् की नवमनोनीत अध्यक्ष कविता नाहटा का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को तेरापथ भवन राजराजेश्वरीनगर में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में

राजराजेश्वरीनगर तेरापथ युवक परिषद् से आलोक छाजेड जैन ने विधि द्वारा समारोह की शुरुआत की। निवर्तमान अध्यक्ष बिमल बैद ने नव मनोनीत अध्यक्ष कविता नाहटा

को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाया। बाद में कविता ने कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा कर उन्हें शपथ दिलाई। मंत्री कुलदीप बैद ने धन्यवाद दिया।



विजयनगर जैन बहु मंडल ने 'नीति वस्त्र मंडार योजना' के लिए जुटाए 3240 जोड़े वस्त्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को पहनने के लायक परिधान उपलब्ध कराने के लिए नीति वस्त्र मंडार योजना शुरू की गई है, इसके अंतर्गत घर-घर से पहनने योग्य पुराने वस्त्र एकत्रित कर उन्हें पुनः धोकर, इस्तरा कर

उन्हें जरूरतमंदों को मुहैया कराया जाता है। नीति वस्त्र मंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाडिया ने बताया कि इसी क्रम में विजयनगर क्षेत्र में सक्रिय वर्धमान स्थानकवासी जैन बहु मंडल ने हमारी इस योजना का प्रचार प्रसार कर करीबन 3240 जोड़े वस्त्र एकत्रित किए। बहु मंडल की अध्यक्ष अलका लोढ़ा, मंत्री शिखा आंचलिया, समता बोहरा, अनिता

गुगलिया, संतोष कटारिया, मोनिका सुराणा, चंचल पोवाल, सारिका गुदेबा, सिंपल हिंगड आदि मंडल की अनेक सदस्यों ने वस्त्र एकत्रित करने में सहयोग दिया। संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेबा, नीति वस्त्र मंडार के चेयरमैन भोपाल सोनवाडिया, को-चेयरमैन सुरेश लखानी, राजेश श्रीश्रीमाल एवं रतनीबाई मेहता ने बहु मंडल को धन्यवाद दिया।

आउवा जैन मंडल का इस वर्ष आउवा में होगा 'गांव सम्मेलन'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय चामराजपेट स्थित

निर्णय लिया गया। यह सम्मेलन ट्रस्ट एवं संघ के सहयोग से

गौतम पोवाल, कोषाध्यक्ष विजय इसरानी तथा सलाहकार मीठालाल पावेवा सहित सभी उपस्थित सदस्यों ने सम्मेलन को सफल बनाने हेतु पूर्ण उत्साह से संकल्प लिया। आयोजनों ने बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से आपसी परिचय एवं सामाजिक एकता को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। सम्मेलन में विभिन्न खेलकूद, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।



महावीर भवन में आयोजित आउवा जैन मंडल की बैठक में इस वर्ष 24 दिसम्बर से राजस्थान के आउवा गांव में तीन दिवसीय 'गांव सम्मेलन' का आयोजन करने का

सामूहिक रूप से आयोजित किया जाएगा। नवगठित कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष विजयराज पावेवा, उपाध्यक्ष प्रसन्न चंडालिया, सचिव गिरीश मंडोत, सहसचिव

डॉ. दिलीप धींग ने सीआईसीटी के निदेशक चन्द्रशेखरन से की भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रगत समिति और तमिलनाडु हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने 3 जून को पेरुम्बाक्कम स्थित केन्द्रीय शास्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) में तमिल-हिंदी के परिष्ठ विद्वान डॉ. एम. गोविंदराजन से उनके द्वारा किए जा रहे कंब रामायण के हिंदी अनुवाद के बारे में चर्चा की। गोविंदराजन के नेतृत्व में छह विद्वान अनुवाद से जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि यह अनुवाद कई दृष्टियों से श्रेष्ठतर बनाना है, इसलिए तमिल शब्दों के लिप्यांतरण में हिंदी भाषी डॉ. दिलीप धींग जैसे विद्वान से राय लेना उचित रहता है। उन्होंने बताया कि 12वीं सदी में कंबन ने तमिल संस्कृति के आलोक में इसकी रचना की थी। उन्होंने तमिल शब्दों के उच्चारण की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु में प्राचीन जैन विरासत पर आधारित चित्रावली का संस्थान से शीघ्र ही प्रकाशन होगा। इस अवसर पर कवि डॉ. दिलीप धींग ने संस्थान के निदेशक

डॉ. रा. चन्द्रशेखरन से मुलाकात की।

गोविंदराजन ने चन्द्रशेखरन को डॉ. धींग के सुदीर्घ साहित्यिक योगदान के बारे में बताया, जिस पर उन्होंने अपार प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. धींग ने संस्थान के पुस्तकालय के लिए अपना साहित्य भेंट किया। चन्द्रशेखरन ने संस्थान से प्रकाशित तमिल सीखने की पुस्तकें भेंट की। इस अवसर पर शोध अधिकारी एन. देवी, डॉ. आर. अकिलन, डॉ. ज्ञ. पेरियसामी, एस. कार्तिकियन सहित संस्थान के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।